NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 325 लखनऊ, शुक्रवार 24 जुलाई 2026 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, पुलिसकर्मी शहीद, हमलावरों की तलाश में बड़े स्तर पर सर्च आपरेशन

अनंतनाग (एजेंसी) जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस दल को निशाना बनाते हुए हमला कर दिया। इस हमले में जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल शहीद हो गए। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हमला अनंतनाग जिले के कोकेरनाग क्षेत्र के लाल चौक के पास उस समय हुआ जब पुलिस की टीम नियमित ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान संदिग्ध आतंकवादियों ने अचानक पुलिस पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की, लेकिन हमले में हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, घटना बुधवार दोपहर करीब 12.30 बजे हुई। घायल पुलिसकर्मी को तत्काल अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास किया।

सीएम योगी ने किया निर्देशित

जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

सीएम योगी बुधवार दोपहर एनेक्सी भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उनका सर्वाधिक जोर जलनिकासी को लेकर रहा। उन्होंने दो टूक कहा जो भी जरूरी तैयारी या व्यवस्थाएं करनी हैं, उन्हें सुनिश्चित किया जाए, कहीं भी और किसी भी दशा में जलभराव नहीं दिखना चाहिए।

गोरखपुर (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि महानगर में किसी भी दशा में जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नाले, नालियों की बड़े पैमाने पर सफाई कराने और बारिश होने पर अधिकाधिक पंपों का संचालन सुनिश्चित करते हुए ध्यान रखा जाए कि कहीं भी जलभराव न होने पाए।

जलभराव की समस्या के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी बुधवार दोपहर एनेक्सी भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।बैठक में उनका सर्वाधिक जोर जलनिकासी को लेकर रहा। उन्होंने दो टूक कहा जो भी जरूरी तैयारी या व्यवस्थाएं करनी हैं, उन्हें सुनिश्चित किया जाए, कहीं भी और किसी भी दशा में जलभराव नहीं दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नाले, नालियों की नियमित सफाई कराई जाए, नाले, नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोका जाए ताकि इससे नाले चोक न होने पाएं। मुख्यमंत्री ने समझाया कि हमें मौसम के प्रभाव के अनुसार खुद को तैयार रखना होगा। सीएम योगी ने कहा कि नाला निर्माण और मरम्मत के प्रस्ताव समय से लेकर समयबद्ध तरीके से काम पूरा किया जाए। सभी अधिकारी, कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और कहीं भी नकारात्मक वातावरण न बनने दें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानगर के राप्ती कॉम्प्लेक्स, गोरक्ष एंक्लेव, विजय चौराहा तथा धर्मशाला आदि पर हुए जलभराव की जानकारी लेत हुये कहा कि नालों की नियमित रूप से सफाई हो। सफाई के बाद उन्हें ढका जाए। कही भी नालियां खुली न रहें। नगर निगम के सभी पंप पूरी क्षमता से संचालित किए जाएं।उन्होने कहा कि इन व्यवस्थाओं के साथ ही लोगों को प्रेरित किया जाए कि वह कूड़ा नालियों में न डालें। स्वच्छता के लिए कार्यक्रम चलाया जाए, साथ ही नियमित छिड़काव एवं फागिंग कराई जाए। सीएम ने कहा कि स्वच्छता के कार्यक्रम में अधिकाधिक जनसहभगिता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। टीम बना कर हर वार्ड, मलिन बस्तियों, खाली प्लाटों की सफाई कराई जाए और कूड़ा निस्तारण सही से किया जाए।सीएम योगी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान चलाया जाए और इसे रूटीन के कार्यों का हिस्सा बनाया जाए। कहा कि स्वच्छता के कार्यक्रम के जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। शासकीय भवनों में भी सफाई पर ध्यान दिया जाए। उन्होने स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करने, स्ट्रीट लाइटों को ठीक रखने और सभी सीसीटीवी को अद्यतन रखने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसहारा गोवंश सडको पर न रहें। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि डॉग सड़कों पर न रहें। उनके लिये डॉग शेल्टर बनाया जाए। सीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त संख्या मे एंटी स्नैक वेनम और एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध रहै।

अनशन खत्म करने को तैयार हुए सोनम वांगचुक, लेकिन सरकार के सामने रख दी ये बड़ी शर्त

सोनम वांगचुक ने सरकार से छात्र आत्महत्याओं के मुआवजे, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर संसद में चर्चा और युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई न करने के स्पष्ट आश्वासन पर अपना अनशन खत्म करने की बात कही है। यह प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात के बाद आया है, जो पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन का अहम मोड़ है।

नई दिल्ली (एजेंसी) एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को पत्र लिखा है। अपने पत्र के साथ एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सरकार से अपील। मेरा अनशन तोड़ने के संबंध में...एक बार सरकार से आश्वासन मिल जाने के बाद, मैं शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों से भी अपील करूंगा कि वे फिलहाल आंदोलन रोक दें और सरकार के साथ बातचीत शुरू करें। वहीं, पत्र में लिखा है कि कल रात अस्पताल में मुझसे मिलने और मेरा अनशन खत्म करने की आपकी ईमानदार अपील के लिए धन्यवाद। इसके साथ ही वांगचुक ने कहा कि हमारी बातचीत के दौरान, आपने मुझे भरोसा दिलाया कि सरकार उन छात्रों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी जिन्होंने परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद आत्महत्या कर ली थी, और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा होगी, जिसमें माननीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार करना भी शामिल है। मैं सरकार से सम्मानपूर्वक यह स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली के लिए आवाज उठाना रहा है।

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित प्रमुख आवासीय योजनाएं

हनुमत विहार

26.643 हेक्टेअर में फैली यह टाउनशिप **लैंड पूलिंग स्कीम** के अन्तर्गत नियोजित की गई है । इस योजना में **26.68 प्रतिशत** विकसित भूखंड भूस्वामियों को प्रदान किया गया है। योजना की अवस्थापना सुविधाओं पर होने वाला व्यय **रू. 194.04 करोड़** है।

इस आवासीय योजना में प्राधिकरण के आवासीय भूखंडों का आवंटन लॉटरी ड्रा के माध्यम से **230 आवंटियों** को किया जा चुका है। एमवीडीए द्वारा इस योजना के तहत व्यावसायिक, ग्रुप हाउसिंग और संस्थागत प्लॉटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

गोविंद विहार

26.912 हेक्टेअर में फैली यह टाउनशिप **लैंड पूलिंग स्कीम** के अन्तर्गत नियोजित की गई है । इस योजना में **26.68 प्रतिशत** विकसित भूखंड भूस्वामियों को प्रदान किया गया है। योजना की अवस्थापना सुविधाओं पर होने वाला व्यय **रू. 182.23 करोड़** है।

इस आवासीय योजना में प्राधिकरण के आवासीय भूखंडों का आवंटन लॉटरी ड्रा के माध्यम से **121 आंवटियो** को किया गया है।

ग्रीनफील्ड टाउनशिप – रहीमपुर फरह

94.276 हेक्टेअर में फैली यह ग्रीनफील्ड टाउनशिप ग्राम रहीमपुर (फरह) में **मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना** के अन्तर्गत विकसित की जा रही है। वर्तमान में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिसमें अब तक **113.00 एकड़** भूमि का क्रय किया जा चुका है।

परियोजना की कुल लागत **रू. 665.00 करोड़** है, जिसमें अवस्थापना विकास एवं आधारभूत सुविधाएं सम्मिलित हैं।

ग्रीनफील्ड टाउनशिप – छाता

117.295 हेक्टेअर में प्रस्तावित यह **ग्रीनफील्ड टाउनशिप ग्राम छाता** में विकसित की जा रही है। परियोजना की कुल अनुमानित लागत **रू. 1265.00 करोड़** है, जिसमें अवस्थापना सुविधाएं, सड़क, जल, सीवरेज, विद्युत एवं सार्वजनिक उपयोग की अन्य संरचनाएं शामिल हैं।

मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण, मथुरा
राजकीय संग्रहालय, डैम्पियर नगर, मथुरा
Email: vcmvda2014@gmail.com | Website: www.mvdamathura.com
Follow us on

सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड, फाउंडर अभिजीत दीपके ने सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि छम्म्ज पेपर लीक के मामले में जवाबदेही तय करने की कोशिशों के तहत, वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करने का भरोसा देती है, तो वे अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे। सरकार को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा मैं सरकार से साफ–साफ भरोसा चाहता हूं कि इस आंदोलन में शामिल होने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की भावना वाली कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। उनका एकमात्र अपराध एक निष्पक्ष

और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आवाज उठाना रहा है।एक्जिक्यूटिव ब्रांचदिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को ब्श्रच मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के मामले में केंद्र और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की।

एससी का बड़ा निर्देशः जजों की सेवानिवत्ति की उम्र 61 साल करने पर विचार करें राज्य,एससी ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 साल करने पर विचार करें। साथ ही, कोर्ट देश भर में इसे एक समान रूप से 62 साल करने की मांग वाली याचिका पर भी विचार कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि यह अंतरिम व्यवस्था 1 अप्रैल से उन जगहों पर लागू होगी, जहाँ राज्य सरकार और संबंधित हाई कोर्ट इस कदम पर सहमत होंगे। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने–अपने हाई कोर्ट से सलाह करके इस पर फैसला लेना चाहिए।कोर्ट ने यह भी साफ किया कि इस अस्थायी इंतजाम का उस अंतिम फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा जिसमें यह तय होना है कि क्या पूरे देश में जिला न्यायपालिका के जजों की रिटायरमेंट की उम्र एक समान रूप से 60 से बढ़ाकर 62 साल की जानी चाहिए या नहीं।

अपने आदेश में बेंच ने कहा कि सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों (न्जे) को निर्देश दिया जाता है कि वे इस मुद्दे पर अपने–अपने अधिकार क्षेत्र वाले हाई कोर्ट से सलाह करके फैसला लें। अगर वे सहमत होते हैं, तो ऐसे राज्यों में न्यायिक अधिकारियों को 61 साल की उम्र तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जाएगी। सेवा में बने रहने की यह अनुमति इन कार्यवाही के अंतिम नतीजे पर निर्भर करेगी। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया कि वे हाई कोर्ट से सलाह लेने के बाद दो हफ्ते के अंदर अपना पक्ष रिकॉर्ड पर रखें।

संबंधित हाई कोर्ट से भी कहा गया है कि वे इसी समय–सीमा के भीतर अपना जवाब दाखिल करें। हालाँकि, जो राज्य और हाई कोर्ट पहले से ही इस बढ़ोतरी का समर्थन करते हैं, उन्हें विस्तृत जवाबी हलफनामे के बजाय केवल सहमति का एक संक्षिप्त बयान दाखिल करना होगा। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं, जबकि हाई कोर्ट के जज 62 साल की उम्र में रिटायर होते हैं।

आपरेशन यात्री सुरक्षा में आरपीएफ-जीआरपी को बड़ी सफलता, डेढ़ लाख से अधिक कीमत के दो चोरी के मोबाइल बरामद

संवाददाता

प्रयागराज, । प्रयागराज मंडल के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे श्ऑपरेशन यात्री सुरक्षाश के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 1.75 लाख रुपये मूल्य के दो चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं।रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ अलीगढ़ के नेतृत्व में 21 जुलाई को आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या–7 स्थित लिफ्ट के सामने टीन शेड के नीचे संदिग्ध अवस्था में मौजूद एक युवक को पकड़कर पूछताछ की।गिरफ्तार आरोपी की पहचान आतिफ (24 वर्ष) पुत्र दिलशाद, निवासी बरगद हाउस, थाना सिविल लाइन, जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से सैमसंग एस–24 अल्ट्रा और रियलमी 12 प्रो प्लस मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.75 लाख रुपये बताई गई है।जांच में सामने आया कि बरामद दोनों मोबाइल जीआरपी थाना अलीगढ़ में पूर्व से दर्ज चोरी के मुकदमों से संबंधित हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल और अन्य सामान चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था।इस कार्रवाई में आरपीएफ अलीगढ़ के उपनिरीक्षक धीरज चौधरी, हेड कांस्टेबल फुरकान खान, हेड कांस्टेबल गौरव (सीआईबी) तथा जीआरपी अलीगढ़ के उपनिरीक्षक गौरव वर्मा एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल आरपीएफ अथवा जीआरपी को दें।

मानसून को लेकर उत्तर मध्य रेलवे अलर्ट, महाप्रबंधक ने संरक्षा तैयारियों की समीक्षा की फील्ड निरीक्षण बढ़ाने और संवेदनशील रेलखंडों पर विशेष निगरानी के निर्देश

प्रयागराज, । मॉनसून के दौरान ट्रेनों का सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्यालय के विभागाध्यक्षों तथा तीनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि बारिश के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करते हुए संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा रेल परिचालन में बाधा की स्थिति उत्पन्न न हो।उन्होंने फील्ड अधिकारियों को केवल कार्यालयी समीक्षा तक सीमित न रहकर संवेदनशील रेलखंडों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मॉनसून वैगनों को पूरी तरह तैयार रखने को कहा।महाप्रबंधक ने भारी वर्षा एवं फ्लैश फ्लड की संभावनाओं को देखते हुए रेल पुलों, नदियों और नालों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में तत्काल निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि ट्रैक और रेल यातायात प्रभावित न हो।बैठक में रेलवे ट्रैक की स्थिरता बनाए रखने के लिए बैलास्ट, ड्रेनेज सिस्टम तथा सिग्नलिंग व्यवस्था का नियमित निरीक्षण करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ट्रैक के आसपास जलभराव रोकने, सिग्नलिंग फेल्योर की आशंका कम करने तथा रखरखाव टीमों को 24 घंटे सतर्क रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।महाप्रबंधक ने कहा कि मॉनसून के दौरान सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध रेल यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

रेलवे स्टेशनों पर गूंजेंगे जागरूकता गीत सुरक्षा और स्वच्छता का देंगे संदेश

संवाददाता

प्रयागराज, । रेल यात्रियों को सुरक्षा, स्वच्छता और जिम्मेदार यात्रा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत जल्द ही रेलवे स्टेशनों पर विशेष जागरूकता गीत प्रसारित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से यात्रियों को रेल सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया जाएगा।इस अभियान की खास बात यह है कि जागरूकता गीत दो बाल कलाकारों आरव (9 वर्ष) और असित (13 वर्ष) ने तैयार किया है। षसाई बंधुष के नाम से प्रसिद्ध दोनों भाइयों ने अपनी मधुर आवाज के माध्यम से यात्रियों को रेलवे संपत्ति की सुरक्षा, स्वच्छता बनाए रखने और यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करने का संदेश दिया है।गीत में यात्रियों से ट्रेनों पर पत्थरबाजी न करने, रेलवे परिसर में कूड़ा–कचरा न फैलाने, किसी अजनबी से खाने–पीने की वस्तु स्वीकार न करने तथा सुरक्षितएवं जिम्मेदार यात्रा करने की अपील की गई है। रेलवे का मानना है कि इस तरह के रचनात्मक प्रयास यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करेंगे।उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने कहा कि बच्चों द्वारा प्रस्तुत इस प्रकार के रचनात्मक प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह जागरूकता गीत यात्रियों तक सुरक्षा और स्वच्छता का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाएगा तथा सभी को सुरक्षित, स्वच्छ और जिम्मेदार रेल यात्रा के लिए प्रेरित करेगा।गीत के माध्यम से यात्रियों से आह्वान किया गया है कि वे भारतीय रेल को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा रेलवे की संपत्ति की रक्षा करते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करें।

जौहर यूनिवर्सिटी के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

गोरखपुर, । रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण के विरोध में विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को मंडलायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाने तथा वहां अध्ययनरत हजारों छात्र–छात्राओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला सचिव मुहम्मद आसिम खान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि यह विश्वविद्यालय प्रदेश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में शामिल है और इसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होगा।मुहम्मद आसिम खान ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भवनों के मानचित्र संबंधी विवाद को आधार बनाकर की जा रही कार्रवाई उचित नहीं है और इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए।प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप कर विश्वविद्यालय को संरक्षित रखने, छात्रों की पढ़ाई निर्बाध जारी रखने तथा उनके शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के प्रसार की बात करने वाली सरकारों को ऐसे शैक्षणिक संस्थानों के संरक्षण के लिए सकारात्मक कदम उठाने चाहिए।इस अवसर पर पार्षद दल के नेता अशोक यादव, पार्षद शहाब अंसारी, पूर्व पार्षद कुद्दुश अली, इश्तेयाक अहमद बब्लू, शकील अहमद अंसारी, हाजी कलीम अहमद फरजंद, अनवार आलम, नबीउल्लाह अंसारी, दिलीप कुमार निषाद सहित अन्य वक्ताओं ने भी विश्वविद्यालय को बचाने की आवश्यकता पर बल दिया।ज्ञापन सौंपने के दौरान मुर्तजा हुसैन रहमानी, अभय गुप्ता, राजू लारी, मोहम्मद असलम, आतिफ खान, हसनैन अहमद, अभय सिंह, मोनू सिंह, अभिषेक पांडेय, भीम निषाद, विजय शर्मा, रणजीत सिंह, विकास राय, राजेश शुक्ला, अशोक गुप्ता, रविंद्र गुप्ता, सुल्तान खान, राजेंद्र कनौजिया, राजन, दिलीप प्रसाद, मोहम्मद जाकिर, फराज सिद्दीकी, जब्बार, राजन जोसवा, मोहम्मद नवाज हुसैन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए सजगता और संवेदनशीलता जरूरी : सरदार पतविंदर सिंह

धान रोपाई कर रहे किसानों के बीच पहुंचकर दिया अन्न संरक्षण का संदेश

प्रयागराज, । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने बुधवार को अपने सहयोगियों के साथ ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर धान की रोपाई कर रहे किसानों के बीच अन्न संरक्षण और खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अन्न के प्रत्येक दाने का सम्मान करने और भोजन की बर्बादी रोकने का संकल्प लेने का आह्वान किया।इस अवसर पर सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि अन्न जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है, लेकिन आज भी दुनिया भर में बड़ी मात्रा में भोजन बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर दिखावे की संस्कृति ने भोजन की बर्बादी की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग भूख और कुपोषण से जूझ रहे हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए समाज में सजगता और संवेदनशीलता दोनों का होना आवश्यक है।श्रीमती दलजीत कौर ने कहा कि प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में भोजन व्यर्थ चला जाता है और बदलती जीवनशैली के कारण यह समस्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भोजन की बर्बादी केवल अन्न का नुकसान नहीं, बल्कि पानी, ऊर्जा, श्रम और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की भी बर्बादी है, क्योंकि भोजन उत्पादन से लेकर पकाने तक अनेक संसाधनों का उपयोग होता है।परमजीत सिंह बग्गा ने कहा कि भोजन की बर्बादी रोकने में आमजन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से आवश्यकता के अनुसार ही भोजन लेने और थाली में जूठन न छोड़ने की आदत विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब एक ओर भोजन फेंका जा रहा होता है, तब दूसरी ओर करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मजबूर होते हैं।कौशल किशोर सिंह ने कहा कि भोजन की बर्बादी किसान की मेहनत का भी अनादर है। किसान कठिन परिस्थितियों में परिश्रम कर अन्न पैदा करता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी थाली में परोसे गए हर दाने का सम्मान करना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान धान की रोपाई कर रहे किसानों एवं ग्रामीणों को भोजन की बर्बादी न करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर सरदार पतविंदर सिंह, दलजीत कौर, परमजीत सिंह बग्गा, कौशल किशोर सिंह सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण नोटिस रद करने तथा दिल्ली लाठीचार्ज के विरोध मे सीरत वेलफेयर कमेटी ने दिया ज्ञापन

संवाददाता

बहराइच, । सामाजिक संगठन सीरत वेलफेयर कमेटी (पंजीकृत) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को जारी ध्वस्तीकरण नोटिस निरस्त करने तथा दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्र–छात्राओं और युवाओं पर हुए कथित लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा।कमेटी के सचिव शादाब हुसैन ने कहा कि सरकार एक ओर शिक्षा को बढ़ावा देने और उच्च शिक्षा के विस्तार की बात करती है, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के संचालन के वर्षों बाद उसकी इमारतों को लेकर ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया जाना हजारों छात्रों के भविष्य और कर्मचारियों के रोजगार पर संकट पैदा करता है। उन्होंने मांग की कि विश्वविद्यालय को नियमानुसार आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने का अवसर दिया जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।उन्होंने दिल्ली के जंतर–मंतर पर शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों एवं युवाओं पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने समाजसेवी एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के घटनाक्रम पर भी आपत्ति जताई।ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मांग की कि रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण संबंधी नोटिस पर तत्काल रोक लगाई जाए, विश्वविद्यालय को नियमानुसार नक्शा स्वीकृत कराने एवं शमन की प्रक्रिया पूरी करने का अवसर दिया जाए, ताकि छात्रों की शिक्षा और कर्मचारियों का रोजगार सुरक्षित रह सके।इसके अलावा संगठन ने दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हुई कथित पुलिस कार्रवाई की उच्चस्तरीय जांच, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई, पेपर लीक प्रकरण में जिम्मेदारी तय करने, प्रदर्शन के दौरान मृत एवं घायल लोगों के लिए आर्थिक सहायता तथा बेरोजगार युवाओं को रोजगार अथवा भत्ता दिए जाने की भी मांग की।इस अवसर पर डॉ. अजीमुल्ला खान, मौलाना शाहिद नदवी, मौलाना सरवर कासमी, मौलाना शाहिद अख्तर, शकील मिर्ज, शादाब अंसारी, शेख रियाजुद्दीन एडवोकेट, वसीउल्ला कासमी, हाजी आसिफ खान, सैय्यद अकरम सईद, मो. शुएब, मुबीन अहमद, रियाजुद्दीन खान, राजकुमार यादव, रिंकू यादव एवं वली मोहम्मद सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई में सुनीं महिलाओं की समस्याएं

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याएं सुनीं। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आई 26 महिलाओं ने अपनी शिकायतें आयोग के समक्ष प्रस्तुत कीं, जिन पर सदस्य ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान गीता विश्वकर्मा ने कहा कि राज्य महिला आयोग का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और सम्मान दिलाना भी है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि छोटे–मोटे मामलों का निस्तारण यथासंभव थाना स्तर पर ही किया जाए, ताकि पीड़ित महिलाओं को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं और बालिकाओं तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए।जनसुनवाई में विभिन्न मामलों पर भी तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। करछना क्षेत्र में भूमि पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत पर एसडीएम करछना को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। नैनी क्षेत्र की एक महिला द्वारा पति के परिवार पर मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न तथा पति की गुमशुदगी के मामले में थानाध्यक्ष नैनी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।इसी प्रकार धूमनगंज क्षेत्र की एक महिला की शिकायत पर थानाध्यक्ष को कथित जानलेवा हमले के मामले की जांच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए। फूलपुर क्षेत्र में मकान पर कथित अवैध कब्जे एवं जान से मारने की धमकी से जुड़े प्रकरण में भी एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। वहीं, दरभंगा कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट की छत पर कथित अनधिकृत कब्जे एवं ताला लगाने के मामले में एसीपी कर्नलगंज को जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत, बच्चों में जागरूकता बढ़ाना आवश्यकः इकरा सईद

लखनऊ, । मसरूर एजूकेशनल सोसायटी के तत्वावधान में सेंट रोज पब्लिक स्कूल, गढ़ी पीर खां, ठाकुरगंज में जल संचयन एवं जल संरक्षण विषय पर एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य प्रो. अतीकद्द अहमद फारूकद्दी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में इकद्दरा सईद, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर (क्लाइमेट पर चर्चा) एवं फैशन डिजाइनर, उपस्थित रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। डॉ. मन्सूर हसन खां ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि संचालन शीबा खान ने किया। सेमिनार में सुशांत उपाध्याय, शिवाजी, अब्दुल्ला, सारा और आयुष कुमार चौधरी ने जल संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।मुख्य अतिथि इकद्दरा सईद ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पानी का संरक्षण करे और उसकी एक–एक बूंद का सदुपयोग सुनिश्चित करे।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अतीकद्द अहमद फारूकद्दी ने कहा कि भविष्य में जल संकट से बचने के लिए समाज में व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों को जल संरक्षण के प्रति शिक्षित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है

।कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने जल संरक्षण पर गीत, दोहे, गजल और प्रेरक विचार प्रस्तुत किए।

राजस्व परिषद के अधिवक्ताओं का आंदोलन तेज, आज से क्रमिक अनशन पर बैठेंगे

प्रयागराज, । अध्यक्ष राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कथित असंवैधानिक आदेश के विरोध में बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। आंदोलन के समर्थन में बुधवार को प्रदेश के विभिन्न बार एसोसिएशनों के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। संगठन ने घोषणा की है कि 23 जुलाई से अधिवक्ता क्रमिक अनशन पर बैठेंगे, जबकि आगे की रणनीति आमसभा में तय की जाएगी।बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के तत्वावधान में राजस्व परिषद परिसर में विशाल धरना–प्रदर्शन एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद, जनपद न्यायालय बार एसोसिएशन, कमिश्नरी बार एसोसिएशन प्रयागराज, कानपुर बार एसोसिएशन, आजमगढ़ बार एसोसिएशन, विंध्याचल मंडल बार एसोसिएशन सहित विभिन्न मंडलों, जिलों और तहसीलों के अधिवक्ताओं ने भाग लेकर आंदोलन को समर्थन दिया।बैठक की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बालकृष्ण पाण्डेय ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता जय प्रकाश राय ने किया। इस दौरान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद के संयुक्त सचिव (पुस्तकालय) शशि कुमार द्विवेदी श्उग्रश ने हाईकोर्ट बार की ओर से समर्थन पत्र सौंपते हुए आंदोलन के प्रति एकजुटता व्यक्त की।जिला बार एसोसिएशन के मंत्री वरुण सिंह तथा कमिश्नरी बार एसोसिएशन प्रयागराज के अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव और महामंत्री मुकेश नारायण त्रिपाठी ने भी आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए अधिवक्ताओं की मांगों को न्यायोचित बताया।बार एसोसिएशन के महासचिव अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि संगठन अपनी मांगों को लेकर आर–पार की लड़ाई लड़ेगा और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा।संयुक्त सचिव (प्रेस) सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे और आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय का बहिष्कार तथा तालाबंदी जैसे कदम उठाकर आंदोलन को प्रदेशव्यापी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को बोर्ड ऑफ रेवेन्यू परिसर में आमसभा आयोजित होगी, जिसमें आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी।इस अवसर पर शैलेन्द्र कुमार सिंह, रमेश पुण्डीर, कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, अरुणेश खरे, राजेश प्रताप सिंह, सुनील वर्मा, रोहित शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, नवीन कुमार पाण्डेय, शरद कुमार पाण्डेय, अम्बुज श्रीवास्तव, बृजभूषण पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद ने देश की आजादी के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया : राजेश केसरवानी

120वीं जयंती की पूर्व संध्या पर चला शहर घर आजादश जागरण अभियान, वितरित किए गए चित्र

संवाददाता

प्रयागराज, । अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप की ओर से महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती की पूर्व संध्या पर श्शहर घर आजादश जागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर लोगों को चंद्रशेखर आजाद के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान से अवगत कराया गया तथा उनके चित्र वितरित किए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रद्धांजलि ग्रुप के अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद ने जाति–पात और संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर राष्ट्र सेवा को अपना सर्वोच्च धर्म माना। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया और अंग्रेजों की गुलामी कभी स्वीकार नहीं की। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद अपने नाम के अनुरूप अंतिम सांस तक श्आजादश रहे और मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्रयागराज की ऐतिहासिक धरती पर वीरगति को प्राप्त हुए।राजेश केसरवानी ने कहा कि नई पीढ़ी को देश के महान क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से श्शहर घर आजादश अभियान के तहत लोगों को चंद्रशेखर आजाद के चित्र वितरित किए जा रहे हैं ताकि प्रत्येक घर में उनकी प्रेरणादायी छवि युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना का संचार करती रहे।कार्यक्रम का संचालन शत्रुघ्न जायसवाल ने किया, जबकि अभिलाष केसरवानी संयोजक रहे।इस अवसर पर किशन चंद्र जायसवाल, सुनील केसरवानी (सोनू), अशोक गुप्ता, राजेश गुप्ता, श्याम कृष्ण विश्वकर्मा, मुकेश जायसवाल, नीरज केसरवानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि ग्रुप के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रों के आंदोलन के साथ कांग्रेस मजबूती से खड़ी, सरकार संवाद के बजाय दमन कर रही : सुप्रिया श्रीनेत्र

प्रयागराज, । कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र ने कहा कि देशभर में छात्रों द्वारा चलाया जा रहा आंदोलन युवाओं के भविष्य और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। कांग्रेस पार्टी छात्रों की न्यायोचित मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी आवाज को हर स्तर पर उठाती रहेगी।बुधवार को सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में श्रीनेत्र ने आरोप लगाया कि संसद मार्च में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली पहुंचे हजारों छात्र–युवा सरकार से संवाद और अपनी समस्याओं के समाधान की अपेक्षा लेकर आए थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग किया गया। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, कई छात्र घायल हुए तथा महिला छात्रों के साथ दुर्व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आईं।उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कांग्रेस सांसदों के साथ प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखने तथा उनसे मुलाकात करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे, लेकिन उन्हें रास्ते में रोककर हिरासत में ले लिया गया। श्रीनेत्र ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार पर सीधा प्रहार है।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि छात्र कोई अनुचित मांग नहीं कर रहे हैं। उनकी मांग केवल निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की है। उनका कहना था कि सरकार को दमनात्मक कार्रवाई के बजाय छात्रों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी देशभर में अपने अभियान के तहत 125 स्थानों पर छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है और हर स्तर पर उनके अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।पत्रकार वार्ता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष फुजैल हाशमी, मनीष मिश्रा, किशोर वार्ष्णेय सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच दिनों से अंधेरे में वरिष्ठ पत्रकार का घर, बिजली बहाली के लिए रिश्वत मांगने का आरोप

प्रयागराज, । झूंसी (द्वितीय ग्रामीण) विद्युत वितरण उपखंड के अंतर्गत बलरामपुर पावर हाउस क्षेत्र के मंडौर गांव में वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र सिंह के आवास पर पिछले पांच

दिनों से बिजली आपूर्ति ठप होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों पर बिजली जोड़ने के बदले सुविधा शुल्क (रिश्वत) मांगने तथा शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान न करने का आरोप लगाया है।नागेंद्र सिंह के अनुसार उन्होंने विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर शिकायत संख्या च्22072607998 दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद लाइनमैन मौके पर पहुंचे और पोल पर चढ़कर जांच भी की, लेकिन कथित रूप से सुविधा शुल्क की मांग की। आरोप है कि मनमाफिक रकम नहीं मिलने पर लाइनमैन ष्ड्यूटी समाप्त होनेष की बात कहकर बिना बिजली बहाल किए लौट गया।पीड़ित का यह भी आरोप है कि विभाग लंबे समय से वास्तविक खपत की तुलना में अत्यधिक बिजली बिल भेज रहा है। उन्होंने बताया कि मीटर में गड़बड़ी की लिखित शिकायत पहले ही संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो मीटर की जांच कराई गई और न ही उसे बदला गया। इसके बावजूद लगातार अधिक खपत दर्शाते हुए बिल जारी किए जा रहे हैं।नागेंद्र सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि नए कनेक्शन के समय विभाग द्वारा नियमानुसार उपलब्ध कराया जाने वाला सरकारी सर्विस केबल भी उपलब्ध नहीं कराया गया। उनका कहना है कि उपभोक्ता नियमित रूप से बिजली बिल, फिक्स चार्ज और अन्य शुल्क का भुगतान कर रहे हैं, फिर भी उन्हें बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

इस मामले को लेकर राज्य मुख्यालय के पत्रकारों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी नाराजगी जताते हुए ऊर्जा मंत्री और विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने शिकायत संख्या च्22072607998 का शीघ्र निस्तारण कर बिजली आपूर्ति बहाल करने, मीटर एवं बिलिंग की निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

छात्रों और राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस का आक्रोश मार्च, केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता

प्रयागराज, । प्रयागराज शहर कांग्रेस कमेटी एवं अल्पसंख्यक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पत्थर गिरिजा धरना स्थल से सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहा तक आक्रोश मार्च निकालकर छात्रों एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शेखर बहुगुणा ने कहा कि छात्रों की जायज मांगों को दबाने तथा राहुल गांधी के साथ किए जा रहे कथित अन्याय के खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।अल्पसंख्यक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा कि यदि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना अपराध माना जा रहा है, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और जनता की आवाज के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि दमन और दबाव की राजनीति से कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं।शहर कांग्रेस महासचिव मो. हसीन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा छात्रों, युवाओं और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ती रही है। पुलिस प्रशासन के दबाव में जनआवाज को दबाया नहीं जा सकता।वहीं वरिष्ठ पार्षद तस्लीम उद्दीन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनता के अधिकारों और न्याय की लड़ाई को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।आक्रोश मार्च एवं प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शेखर बहुगुणा, तस्लीम उद्दीन, आबदी हसन, मो. हसीन, मनोज पासी, शकील अहमद, गजली खान, नरेंद्र गिरी, मो. जाहिद, मो. अल्तमस, महफूज अहमद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयाग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने पीडीए सचिव से की मुलाकात, शहर की प्रमुख समस्याओं से कराया अवगत

संवाददाता

प्रयागराज, । प्रयाग व्यापार मंडल एवं जिला महिला व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के सचिव विनीत कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट कर शहर की विभिन्न नागरिक एवं व्यापारिक समस्याओं से अवगत कराया। बैठक में शहर के विकास कार्यों, व्यापारियों की समस्याओं तथा उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक के दौरान प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला ने सचिव विनीत कुमार सिंह का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद आयोजित परिचयात्मक बैठक में प्रयाग व्यापार मंडल एवं जिला महिला व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया गया।प्रतिनिधिमंडल ने पीडीए द्वारा निर्मित सड़कों पर जलभराव की समस्या, झूंसी क्षेत्र में विकसित ग्रीन बेल्ट के सुधार कार्य, सुलेमसराय से कानपुर रोड तक बाजारों के बाहर अनियमित पटरी दुकानों के कारण उत्पन्न पार्किंग समस्या, आम नागरिकों को पीडीए की सड़कों एवं जोन कार्यालयों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा नक्शा पास एवं एनओसी के नाम पर व्यापारियों के कथित उत्पीड़न जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।पीडीए सचिव विनीत कुमार सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े सभी मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने प्रयागराज से अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

बैठक में प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला, जिला महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष अवंतिका टंडन, सरदार जतिंदर सिंह, सरदार प्रीतम सिंह, धनंजय सिंह, पल्लवी अरोड़ा, हिना खान, महमूद अहमद खान, सूरज सोनकर, सत्य प्रकाश मिश्रा, शहीद कमाल बबलू, विजय वैश्य, ओम प्रकाश अग्रहरि, उत्तम केसरवानी, पार्षद साहिल अरोड़ा, शुभम केसरवानी, अकरम शगुन एवं सुनील केसरवानी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ए आई तकनीकी उपकरण, लेकिन भाषा की संवेदना और भारतीय चिंतन को संरक्षित करना जरूरी : सर्वेश पांडे

प्रयागराज, । हिन्दुस्तानी एकेडेमी, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में बुधवार को गांधी सभागार में 'आधुनिक परिवेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भाषा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।एकेडेमी के सचिव डॉ. अजीत कुमार सिंह ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव अब जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। वास्तविक साहित्य मानवीय संवेदना से जन्म लेता है, जबकि एआई उपयोगकर्ता के निर्देशों के आधार पर सामग्री तैयार करता है। इसलिए दोनों के बीच मूलभूत अंतर को समझना आवश्यक है।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. शर्वेश पाण्डेय, प्राचार्य, डी.सी.एस.के. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मऊ ने कहा कि वर्तमान समय एआई का युग है और भाषा के क्षेत्र में यह अवसर के साथ–साथ चुनौती भी है। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन और भारतीय भाषाई चिंतन को डिजिटल माध्यमों पर अधिकाधिक उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है, ताकि एआई भारतीय भाषाओं की संरचना और सांस्कृतिक दृष्टि को बेहतर ढंग से समझ सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एआई में प्रयुक्त अधिकांश भाषाई उपकरण पाश्चात्य अवधारणाओं पर आधारित हैं जिससे हिन्दी की मौलिक संरचना और भारतीय चिंतन को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पा रहा है।मुख्य वक्ता प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भाषा के संबंध को रोचक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल फोन हमारी गतिविधियों और भाषा के प्रयोग को निरंतर रिकॉर्ड कर रहे हैं तथा एआई शब्दों और अभिव्यक्ति के स्वरूप को नई दिशा दे रहा है। उन्होंने आगाह किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग जहां मानव जीवन को सरल बना रहा है, वहीं इसके माध्यम से फर्जी ऑडियो–वीडियो, भ्रामक सूचनाएं और पहचान की जालसाजी जैसी चुनौतियां भी तेजी से बढ़ रही हैं।प्रो. सिंह ने कहा कि एआई अब कविता की भाषा, बिंब, प्रतीक, शैली और मानवीय अभिव्यक्ति की जटिलताओं को भी समझने और प्रस्तुत करने में सक्षम होता जा रहा है। यही कारण है कि यह किसी व्यक्ति की बोलने की शैली और आवाज की नकल भी कर सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के साथ नैतिकता, भाषा और मानवीय मूल्यों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।कार्यक्रम का संचालन इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनम्रसेन सिंह ने किया, जबकि अंत में डॉ. अजीत कुमार सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।संगोष्ठी में प्रो. रामकिशोर शर्मा, डॉ. उदय प्रताप सिंह, रामनरेश तिवारी 'पिण्डीवासा', डॉ. अनिल कुमार सिंह, जय कृष्ण राय 'तुषार', डॉ. अमिताभ त्रिपाठी, सुनील दानिश, जनकवि प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार यादव, एम.एस. खान सहित अनेक विद्वान, शोधार्थी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदला, अब शहीद कप्तान सुनील कुमार चौधरी कठुआ के नाम से जाना जाएगा

प्रयागराज, । भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल स्थित कठुआ (ज्ञज्भ्न्) रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर ष्शहीद कप्तान सुनील कुमार चौधरी कठुआष कर दिया है। यह परिवर्तन उत्तरी रेलवे द्वारा 21 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।रेल प्रशासन के अनुसार रेलवे की टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस पीआरएस) में स्टेशन का नाम अंग्रेजी में डंतजलत ब्ंचजंपद ैनदपस ज्ञनउंत बीवनकीतल ज्ञंजीनं (डब्ैन्छच्ध्ज्ञ ।ज्भ्न्।) तथा हिंदी में शहीद कप्तान सुनील कुमार चौधरी कठुआ प्रदर्शित होगा। स्टेशन का नया कोड डैज्ञज निर्धारित किया गया है।रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा आरक्षण, टिकट बुकिंग एवं अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग करते समय स्टेशन के नए नाम और नए कोड डैज्ञज का ही प्रयोग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।रेल प्रशासन ने बताया कि यह निर्णय राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक शहीद कप्तान सुनील कुमार चौधरी की स्मृति को सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है। स्टेशन का नया नाम उनके अदम्य साहस, वीरता और देश के प्रति समर्पण को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित किया गया है।

सीटों की कटौती, फीस वृद्धि और मूलभूत सुविधाओं को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन, विश्वविद्यालय प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

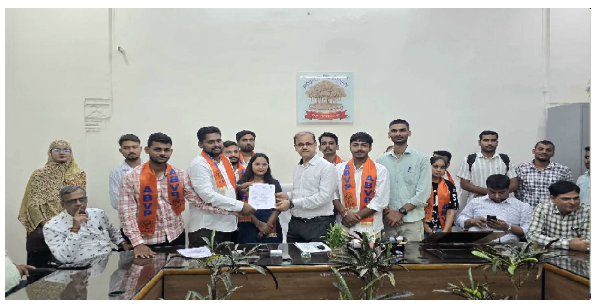

प्रयागराज, । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई ने बुधवार को छात्रों की शैक्षणिक, आर्थिक एवं मूलभूत समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष विभिन्न मांगें उठाईं। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुलसचिव (रजिस्ट्रार) प्रो. आशीष खरे एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) डॉ. सूर्यभान सिंह को अलग–अलग ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।कुलसचिव को सौंपे गए ज्ञापन में परिषद ने स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में पूर्व में की गई सीटों की कटौती को तत्काल बहाल करने तथा फीस में हुई वृद्धि को वापस लेकर विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति के अनुरूप करने की मांग की। इकाई अध्यक्ष हिमांशु पाण्डेय ने कहा कि सीमित सीटों और बढ़ी हुई फीस के कारण बड़ी संख्या में मेधावी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने पीजीएटी–2026 के परिणाम एवं कटऑफ जारी होने के मद्देनजर सीटों की बहाली पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।डीएसडब्ल्यू को सौंपे गए ज्ञापन में विश्वविद्यालय परिसर की मूलभूत सुविधाओं में सुधार की मांग करते हुए प्रत्येक संकाय में छात्राओं के लिए पिंक टॉयलेट, महिला कॉमन रूम, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन एवं डिस्पोजल इसिनरेटर की व्यवस्था करने की मांग उठाई गई। साथ ही नवनिर्मित पुस्तकालय को तत्काल संचालित करने, केंद्रीय पुस्तकालय को 24 घंटे खोलने, अध्ययन सीटों की संख्या बढ़ाने तथा नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।परिषद ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, वाटर कूलरों की नियमित सर्विसिंग, पर्याप्त डस्टबिन, शौचालयों की दैनिक सफाई, विधि, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय में स्वच्छ कैंटीन की व्यवस्था, विज्ञान संकाय के खेल मैदान को विद्यार्थियों के लिए खोलने तथा बंद पड़े छात्रावासों की मरम्मत कर शीघ्र आवंटन करने की मांग भी रखी।एबीवीपी ने चेतावनी दी कि यदि छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो विद्यार्थी परिषद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

पेपर लीक मुद्दे पर दिल्ली कूच से पहले कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद सहित कई नेता नजरबंद

राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई को बताया लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन

प्रयागराज, । पेपर लीक प्रकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित दिल्ली महाप्रदर्शन से पूर्व प्रयागराज में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद सहित कई पदाधिकारियों को उनके आवासों पर नजरबंद किए जाने का दावा किया गया। इसके विरोध में कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन थाना प्रभारी बहरिया को सौंपकर कार्रवाई पर आपत्ति जताई।कांग्रेस नेताओं के अनुसार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर दिल्ली में आयोजित प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान प्रशासन ने जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद सहित कई नेताओं को उनके घरों पर ही रोक दिया।जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने संयुक्त बयान में आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को भी रोकना चाहती है, जबकि छात्र केवल निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और पेपर लीक मामलों में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के हितों की लड़ाई जारी रखेगी और इस प्रकार की कार्रवाई से पीछे हटने वाली नहीं है।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक के आरोपियों पर प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय आंदोलन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन जारी रहा तो पार्टी व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी।इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन थाना प्रभारी बहरिया को सौंपा और मामले में हस्तक्षेप की मांग की।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष देवराज उपाध्याय, साधूचरण तिवारी, महासचिव सुनील पांडे, डॉ. जगत नारायण सिंह, वार रूम प्रभारी सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पटेल, विधानसभा प्रभारी निशा सिंह, विनोद तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों को भी नजरबंद किए जाने का दावा किया गया।कार्यक्रम में मंजू मौर्या, अफजाल अहमद, ओमप्रकाश सरोज, रितेश पासी, मो. यासीर, मो. फारुक, मो. शमीम, रमेश मौर्या, शिव प्रसाद मौर्या, संतोष कुमार यादव, पुष्पा चौधरी, रीता देवी, संगीता देवी, रेखा देवी, सुनीता देवी, रामलखन चौरसिया, श्यामजी धुरिया, विशाल सिंह, रामअवध शुक्ला, वीरेन्द्र कुमार मौर्य सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शरद पवार के घर में एक और दीवार

महाराष्ट्र की राजनीति में समीकरण बहुत तेजी से बदल रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में बिखराव की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि शरद पवार के आंगन में एक और दीवार खड़ी होती दिख रही है। भाजपा निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन विधेयक पारित कराना चाहती है। इस मामले में एनसीपी (पवार गुट) में मतभेद दिख रहा है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले भाजपा के पक्ष में राय दे रही हैं। वे इस बिल का समर्थन कर रही हैं लेकिन रोहित पवार ने इस बिल का जमकर विरोध किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा हो रही है कि शरद पवार के नेतृत्व वाला गुट और उनके भतीजे अजित पवार के नाम पर बनी एनसीपी का विलय हो सकता है। हालांकि अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, जो राज्य की डिप्टी सीएम भी हैं, इसके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। बहरहाल सांसद सुप्रिया सुले और विधायक रोहित पवार के विचार टकराते हैं तो एनसीपी शरद पवार गुट में एक और विभाजन हो सकता है। महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी (शरद पवार गुट) की कथित सीक्रेट बैठक ने भी कई सवाल खड़े किये हैं।

संसद का मानसून सत्र शुरू होते ही डिलिमिटेशन का मुद्दा गरमाने लगा है। इस पर एनसीपी पवार गुट के सुर अलग–अलग हैं। विधायक रोहित पवार ट्विट कर इस बिल का जमकर विरोध करते नजर आ रहे हैं और वहीं, सुप्रिया सुले इस बिल का कुछ हद तक समर्थन करती नजर आ रही हैं।

रोहित पवार ने ट्वीट कर कहा संसद के मानसून सत्र में 'परिसीमन (निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन) विधेयक' को पारित कराना ही सत्ताधारी पक्ष का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए मीठी बातें करके राज्यों को 50 प्रतिशत अधिक सीटें देने का लालच भी दिया जा सकता है। लेकिन यदि हम इन आंकड़ों के जाल में फंसकर इस विधेयक का समर्थन करते हैं, तो जिस तरह नगर निगम चुनावों में राजनीतिक लाभ के लिए वार्डों का पुनर्गठन किया गया, उसी तरह लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का भी राजनीतिक फायदे के लिए पुनर्गठन किया जाएगा। भौगोलिक सीमाओं या संवैधानिक मर्यादाओं की परवाह किए बिना केवल सत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से यह परिसीमन किया जाएगा और असम में निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

सत्ता के समीकरण अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा ने 2016 से ही अनुभवी पूर्व अधिकारियों की मदद से यह रणनीति तैयार कर रखी है कि किन–किन निर्वाचन क्षेत्रों का किस प्रकार पुनर्गठन किया जाए। अब उन्हें केवल इस विधेयक के पारित होने का इंतजार है। तब तक विपक्ष के साथ सौहार्द का दिखावा किया जाएगा, तरह–तरह के आश्वासनों का लालच दिया जाएगा, विपक्ष को विश्वास में लेने का नाटक किया जाएगा और लोकतंत्र की बातें भी की जाएंगी लेकिन जैसे ही यह विधेयक पारित होगा, विपक्ष को ऐसे किनारे कर दिया जाएगा, जैसे शरीर से मक्खी झटक दी जाती है, और फिर से तानाशाही प्रवृत्ति हावी हो जाएगी। इसी प्रवृत्ति के तहत एक ओर परिसीमन और दूसरी ओर एसआईआर के माध्यम से संविधान पर प्रहार करने की तैयारी की जा रही है। इस साजिश को विफल करना है या प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस विधेयक का समर्थन करके इसे सफल होने देना है, इस पर सभी को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। देश के युवाओं ने अब परिवर्तन लाने का संकल्प कर लिया है, इसलिए हमें उनका ईमानदारी से साथ देना चाहिए। संघर्ष करना है या समझौता, यह निर्णय हर किसी को स्वयं लेना होगा। अब 'अपना टाइम आएगा' कहकर इंतजार करने का समय नहीं है, बल्कि 'अपना टाइम आ गया' इस विश्वास के साथ विपक्ष को एकजुट होकर और दृढ़ता से निर्णय लेने की आवश्यकता है।

डिलिमिटेशन बिल को लेकर शरद पवार गुट भी दो राय आने लगी है। सांसद सुप्रिया सुले कही न कही इस बिल को समर्थन देने की तैयारी में हैं और बोल रही हैं कि अगर सरकार 50 फीसद वाले फार्मूले का लिखित दे, तो विचार किया जा सकता है, वहीं रोहित पवार विरोध कर रहे हैं। 'ऑपरेशन टाइगर' और एनसीपी अजित गुट में बढ़ते खींचतान की चर्चाओं के बीच अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की एक कथित सीक्रेट बैठक ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर पार्टी के भविष्य पर चर्चा हो रही थी तो शरद पवार के सबसे चर्चित युवा चेहरों में शामिल रोहित पवार उस बैठक से बाहर क्यों रहे? क्या उन्हें जानबूझकर दूर रखा गया, या फिर इसके पीछे शरद पवार की कोई बड़ी राजनीतिक रणनीति छिपी है? फिलहाल इन सवालों का कोई आधिकारिक जवाब नहीं है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार जरूर गर्म है।सूत्रों के मुताबिक विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दौर में हुई इस बैठक में एनसीपी (शरद पवार गुट) के 10 में से 9 विधायक शामिल हुए। चर्चा इस बात पर हुई कि क्या पार्टी को अपने स्वतंत्र अस्तित्व के साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होना चाहिए। दिलचस्प बात यह रही कि रोहित पवार इस बैठक में मौजूद नहीं थे। यही वजह है कि अब इस पूरी कवायद को सिर्फ एक सामान्य बैठक नहीं, बल्कि पार्टी के भविष्य से जुड़े संभावित फैसले के तौर पर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विधानसभा सत्र के दौरान विधान भवन में एनसीपी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने पार्टी विधायकों की एक अहम बैठक बुलाई। बताया गया कि इस बैठक में रोहित पवार को छोड़कर बाकी नौ विधायक मौजूद थे। बैठक में व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर चर्चा हुई। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि अधिकांश विधायकों ने भाजपा के साथ सीधे गठबंधन करने और एनडीए का हिस्सा बनने की वकालत की। हालांकि इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बैठक में मौजूद नेताओं का मानना था कि अजीत पवार गुट में विलय करने के बजाय एनसीपी (शरद पवार गुट) को अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने पर विचार करना चाहिए। विधायकों का तर्क था कि अगर क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त सरकारी फंड चाहिए और 2029 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना है, तो सत्ता के साथ जाना राजनीतिक रूप से फायदेमंद हो सकता है।

बैठक में विधायकों की राय सुनने के बाद जयंत पाटिल ने कहा, 'हमारे रुख पर राजनीतिक सवाल जरूर उठेंगे, लेकिन अब ठोस निर्णय लेने का समय आ गया है।' इसके बाद उन्होंने विधायकों को भरोसा दिलाया कि उनकी बात पार्टी अध्यक्ष शरद पवार और सांसद सुप्रिया सुले तक विस्तार से पहुंचाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'एनडीए के साथ जाना निश्चित रूप से एक विकल्प है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय आदरणीय शरद पवार ही लेंगे। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चर्चित पहलू रोहित पवार की अनुपस्थिति रही। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भाजपा के साथ जाने के उनके कथित विरोधी रुख के कारण उन्हें बैठक से दूर रखा गया। हालांकि इसकी आधिकारिक प ु ि ष्ट नहीं हुई है। खबर यह भी है कि बैठक की जानकारी मिलने के बाद रोहित पवार ने कई विधायकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया और उनसे पूछा कि क्या वे वास्तव में भाजपा के साथ जाने के पक्ष में हैं। इससे यह साफ है कि पार्टी के भीतर अलग–अलग राय मौजूद है।' (हिफी)

सम्पादकीय

आगे कुँआ, पीछे मोदी

बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं कृ संघ–परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए।

एक अर्थ में यह संघ–परिवार का ही तर्क है। तेईस साल पहले, 2003 में इसे श्टीनाञ्च (ऱ्जद्ढह्व) कहा गया था कृ देयर इज नो अल्टरनेटिव कृ यानी, भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए, ऐ देशवासियो, भाजपा को समर्थन दो! क्योंकि और किसे दोगे? कांग्रेस नेता को तो बोलना भी नहीं आता, कागज देख–देख पढ़ती है। बल्कि, जब तक यह बेचारी कांग्रेस की नेता है कृ तब तक भाजपा को चिन्ता की भी जरूरत नहीं! कौन श्इंडिया शाइनिंगञ्च कर देने वाली भाजपा के बदले उस अटपटी कांग्रेस नेता को समर्थन देगा!

उक्त दलील 2004 के आरंभ तक इतनी दुहराई जाती रही थी, कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उस वर्ष चुनाव से पहले कहा ष्चुनाव में क्या होना हैय कोई कांप्टीशन ही नहीं है!

तब से भाजपा नेता काफी बदल गये हैं। कुछ मामलों में अधिक होशियार, कुछ मामलों में और माशाअल्लाह। अगला चुनाव जीतने वाली सब तकनीकी कमियाँ इन्होंने दूर कर ली हैं, जिन पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था। जिस में मुख्य यह कि मैच जीतने का सब से सुरक्षित तरीका है कि सामने कोई टीम ही न हो। यानी, सामने टीम न बनने दो! प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में किसी को लुभा कर, किसी को डरा कर, किसी को फँसा कर, उस टीम से दूर रखो जो चुनौती दे सकती हो। अपनी टीम में भी कैप्टन बनने योग्य खिलाड़ियों को बाहर कर दो। बस, घुमा–फिरा कर वह वातावरण बनानारू जिसे श्टीनाञ्च कह लीजिए कृ कि भई और है कौन जिसे समर्थन दोगे!

दूसरी ओर, माशाअल्लाह यह कि दस वर्ष पहले संघ–भाजपाइयों द्वारा जो ऊँची–ऊँची उपलब्धि की बात कही जाती थी, अब उन में किसी का नाम तक नहीं लिया जाता। भ्रष्टाचार–मुक्ति, स्वदेशी आर्थिकी, दुनिया में प्रभाव, चीन को झुकाना, और कृ एक आकस्मिक नया लक्ष्यरू श्कांग्रेस मुक्त भारतञ्च और श्माँ–बेटे को जेल पहुँचानाञ्च कृ यह सब अब भक्त भी नहीं दुहराते।

पूरे देश ने देखा कि चीन कहाँ है, और अपने राम क्या हैं। बगल बंगलादेश में हिन्दुओं का कत्ल, अपमान, मंदिर–ध्वंस होता रहा है कृ और अपने राजा के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। जबकि कांग्रेस राज में बंगलादेश के हिन्दुओं के लिए संघ–परिवार यहाँ सरकार से दर्जन भर माँगे करता था। उस में संयुक्त राष्ट्र में मुद्दा उठाना भी था!

यह उदाहरण है कि सारी बातें हवाबाजी थी। इसीलिए उन के कार्यकर्ता भी अब चुप हैं। सब जान चुके कि इन तिलों में तेल नहीं। कुछ विषयों में स्थिति पहले से बदतर हुई है। शिक्षा क्षेत्र इस का खुला उदाहरण है। विशिष्ट संस्थानों की स्वायत्तता भी छिन गई है। विद्या, विद्यार्थी, अध्यापक, स्नातक, सर्टिफिकेट या अवार्ड की गुणवत्ता का जिम्मेदार कोई नहीं है। महत्वपूर्ण अकादमियों में भी विद्वानों के स्थान पर मुंशी बिठा दिये गये हैं। ताकि अपनी टीम की जयकार करने, जुमले दोहराने वालों की संख्या बढ़े। बस। शिक्षा का जो हो, कुर्सी अपने हाथ रहे। यह फाउल खेलने जैसा है। पर उस से क्या, कैसे भी केवल चुनावी कप जीतते रहना है!

यह दूरघातक स्थिति है, जो अनेक संघ–भाजपाई भी मानते हैं। पर कहते हैंरू क्या करें? यह मानसिक बदहाली इतनी व्यापक है कि किसी नीति, घोषणा, चुप्पी, बेढब स्थिति, आदि की आलोचना पर केवल यही कहते हैंरू श्भाजपा के हारने से आप को क्या मिलेगा?ञ्च चाहे अगले चुनाव में चार साल बाकी हो कृ पर उन के पास चुनाव छोड़ कोई विचार नहीं रह गया है। बारहों महीने उन्हें यही चिन्ता है। सो, अकेला लेखक भी यदि आलोचना करे तो वह चुनाव में हराने के लिए कर रहा है! अन्य कारण हो नहीं सकता।किसी को नीति सुधार या नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं सूझती कि वह भी विचारणीय हो सकती है। जबकि वह लोकतंत्र में सब से सहज विचार है। ब्रिटेन में 2016 से 2022 के छरू वर्षों में एक ही सत्ताधारी दल के चार प्रधानमंत्रियों ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया, सिर्फ यह देखकर कि उन की कोई नीति विफल रही या उन की लोकप्रियता कम हो गई। उन्हें पद छोड़ने की विवशता न थी! किन्तु उन्होंने अपने दल के अन्य नेता के लिए स्वयं स्थान छोड़ दिया। यह सच्ची समानता, साथीपन की भावना है। दलीय और राष्ट्रीय हित का सामंजस्य भी।भारत में वह अकल्पनीय है! यहाँ शासक दूसरों को अपने से नीचा समझता है। आजीवन पद पर रहना अपना प्रथम अधिकार मानता है। चाहे देश का कुछ भी मत या हाल हो। यह दलीय ढाँचा भी मात्र दिखावा होने का संकेत है। मुख्य बात केवल जैसे–तैसे गद्दी पर रहने, या गद्दी लेने की है। देश की चिन्ता कहीं पीछे या बिलकुल नहीं।एक अर्थ में भयावह हाल है कि नेताओं के पास अपने किसी काम, निकम्मेपन, मनमानी, संसाधनों की बर्बादी, नीतिगत पलटी मारने, और चुप्पी के लिए दिखावटी दलील भी न हो! जिस का जगजाहिर सबूत वर्तमान शासकों द्वारा मीडिया का सामना न करना है। न अपने दल में किसी मतभेद स्वर का। ऐसे दलीय सहकर्मी भी किनारे कर दिये गये हैं।इस असाधारण दुर्बलता को छिपाने के लिए वे अनर्गल भाषणों का रेला देते रहते हैं, जहाँ कोई प्रश्नकर्ता न हो।

जंतर-मंतर के मुखौटों के पीछे का सच

ब्ध्रच चतवजमेज ।छप्

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल ।

श्रनस 21 2026 4रू44च्ड

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो थ्ब्| की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम च्त् एजेंसीज हायर की गईं।

चाहे छम्म्ज् हो याकि कोई भी एग्जाम हो, जो भी स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं उन्हें कठोरतम दंड मिलना ही चाहिए। कोई भी दोषी बख्श्शे नहीं जाने चाहिए। किसी भी एग्जाम में जालसाजी, पेपरलीक जैसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति कहीं भी नहीं होनी चाहिए। ये सुनिश्चित करने की संपूर्ण जवाबदेही सरकार की है। कोई व्यक्ति हो, संगठन हों। सबको अपनी–अपनी मांगों को लेकर विरोध करना चाहिए। आप इस्तीफा मांगिए। याकि जो भी संविधान सम्मत विरोध के शांतिपूर्ण तरीके हों, उन सबको करिए। ये हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही भारत हैद्ध संवाद के रास्ते हमेशा ही खुले होने चाहिए। सरकार का ये उत्तरदायित्व भी है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है किकृ देश में अराजकता के संगठित कृत्य को आंदोलन कहकर स्वीकार कर लिया जाएगा। भारत के युवाओं को ब्बबातवंबी कहकर अपमानित करने वाली इंटरनेशनल साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत में श्कॉकरोच शब्द और दिल्ली जंतर–मंतर कनेक्शनश अब नए संदर्भ में अपरिचित नहीं रह गया है। सबसे पहले कुछ जमूरों ने अमेरिकी में बैठकर– भारत के युवाओं को– भारत के सुप्रीम कोर्ट की खिलाफत में ब्बबातवंबी कहा। फिर भाजपा और मोदी विरोध की पटकथा लिखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट के ब्श्रप् जस्टिस सूर्यकांत ने मई 2026 में ये टिप्पणी फर्जी डिग्री के जरिए वकालत करने वाले वकीलों पर की थी। इसका उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया था। लेकिन डीप स्टेट ने आम आदमी पार्टी के जमूरों को आगे कर – भारत की न्यायपालिका के खिलाफ उकसाया। यहीं से ब्बा. तवंबी शब्द को भारत के युवाओं के माथे पर चस्पा करने की योजना को मूर्तरूप दिया गया।

आम आदमी पार्टी का जमूरा – दीपके भारत आया, इधर–उधर प्रदर्शन के लिए गया लेकिन धूप तक बर्दाश्त न कर पाया। तत्पश्चात थ्ब्| के विरोध में सोनम वांगचुक को अमेरिकी मूल की उनकी पत्नी कृ रेबेका नॉर्मन के जरिए प्रोटेस्ट का चेहरा बनाकर श्जंतर–मंतरश के मैदान में भूख हड़ताल के लिए उतार दिया गया। जहां इमोशनली–सेंटीमेंट भुनाने के तमाम प्रयोजन रचे जाने लगे। नेपाल और बांग्लादेश जैसे सत्ता की रिजीम चेंज करने का खाका खींचा जाने लगा। फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताकत्त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो थ्ब्| की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम च्त् एजेंसीज हायर की गईं। सेलीब्रिटीज कहे जाने वाले कथैमी लोगकृ हिंदुत्व को ँउी करने के लिए उतर आए। विदेशी और देशी पैसों से सोशल मीडिया कैंपेन को लॉन्च कर दिया गया। भावुक युवाओं ने भी देखा–सुनी ऐसी तमाम स्टोरीज सोशल मीडिया में शेयर कीं। जबकि इस तथाकथित आंदोलन में शिक्षाविद्, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स कहीं नजर नहीं आए। अगर स्टूडेंट्स नजर आए भी तो उन्हें मंच पर कहीं स्थान नहीं मिला। सिर्फ कुछ हाईजैकर्स , कॉमेडियन, नेता और भारत विरोधी –हिन्दुत्व विरोधी बातें कहने वाले चेहरे नजर आए। कंटेंट क्रिएटर्स ही दिखते रहे।

प्रोफेशनल च्रै ज्ल्स्म में प्रोटेस्टर्स का जमावड़ा हुआ। ।ष्टि ँथ्ध् समेत तमाम गद्दार वामपंथियों का इकोसिस्टम एक्टिवेट हुआ। श्रछन्– ।ड्न की तर्ज पर अर्बन नक्सल गिरोह की जिहादी डफली सुनाई देने लगी। स्ळठज्फ का प्रचार–प्रसार किया जाने लगा। हिन्दू घ्रणा का परचम बुलंद किया जाने लगा। लेकिन इन जमूरों में से कोई भूख हड़ताल का साहस न कर पाया जिससे तंग आकर खुद्द सोनम वांगचुक तक को ये कहना पड़ा किकृ "आप लोग यहां आकर ठूंस–ठूंस कर खा रहे हैं, मुझे यह देखकर बहुत दुख होता है।"इतना ही नहीं ये जंतर–मंतर वाले कॉकरोच – दिन के बाद रात को एसी रूम में जाकर सोते थे। घ्पार्टियां करने में जुट जाते थे। फिर अपने रुटीन में जुट जाते थे। अंततोगत्वा 18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। किन्तु ये कॉकरोच, कांग्रेस पार्टी के सहयोग से– सोनम वांगचुक को सरकारी अस्पताल से प्रायवेट अस्पताल में भर्ती कराने की जिद पर अड़े। दिल्ली हाईकोर्ट गए। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक कहा कि– सफदरजंग अस्पताल से कहीं और शिफ्ट करने की जरूरत नहीं है। वहां उनकी समुचित देखभाल हो रही है।

20 जुलाई 2026 को बिना परमिशन के संसद मार्च करने का श्शाहीन बाग–६।। दंगेश वाली स्टाइल में अभियान चलाया गया। कांग्रेस, ।।च समाजवादी पार्टी, भीम–मीम के गठजोड़, लेफ्ट पार्टियां, कन्वर्जन कराने वाले छळव्ेे, अर्बन नक्सली, ब्रेकिंग इंडिया फोर्सेज, सो–रोस–डीप स्टेट के वालंटियर्स – सब देश के यूथ के कंधों पर बंदूक रखकर उतर आए। सबने भीड़ जुटाने का पर्याप्त प्रबंध किया।

भाजपा और मोदी विरोध के सभी गिरोह एकजुट हुए। भरपूर पैसा बहाया गया। संसद घेरने के लिए भीड़ को उतार दिया गया। जिन क्षेत्रों में ड्रोन प्रतिबंधित थे, वहां शक्ति प्रदर्शन–प्रचार के लिए ड्रोन कैमरे चलाए गए। कश्मीर की तर्ज पर भीड़ के जरिए पुलिस पर संगठित योजना के तहत पथराव कराया गया। पुलिस वालों और महिला पत्रकारों की लिंचिंग की कोशिशें की गईं। भारत के संविधान ने जिस श्संसदश का गठन किया। जो संसद हमारे देश की सांविधानिक आधारशिला है। उसे उखाड़ फेंकने की बातें दुहराई गईं। भारत को श्नेपालश बनाने का कॉकरोचों ने दंभ भरा। ये तब हो रहा था जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इनके प्रतिनिधि मंडल को बातचीत के लिए बुलाया और चर्चा की। आप सोचिए कि– इस संगठित भीड़ ने जो उपद्रव किए क्या ये लोकतांत्रिक कृत्य हैं? क्या ये किसी मांग को मनवाने की बातें हैं? किसी भी शांतिपूर्ण आंदोलन में पत्थरबाजी कहां से होने लगी, अचानक से इतने पत्थर क्या बिना पूर्व तैयारी के आ गए? क्या ये संगठित अराजकता–भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता, प्रगति को रोकने के षड्यंत्र नहीं हैं? ये षड्यंत्र उस युवा के सेंटीमेंट्स के जरिए लॉन्च किए जा रहे हैं। जो भारत की प्रगति का आधार है। मैं भी युवा हूं और तथाकथित ळमद–ै की परिभाषा में भी आता हूं। मेरे आदर्श स्वामी विवेकानंद हैं। स्वातंर्त्य क्रांति के क्रांतिवीर हैं। भगवान राम और कृष्ण हैं। सरकार से हम सबकी अपेक्षाएं हैं। अपनी मांगों और विरोध के हमारे पास सांविधानिक तौर तरीके हैं। अपनी पीड़ा और आक्रोश की अभिव्यक्ति के माध्यम हैं। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है कि कोई भी मुझे भारत की स्थिरता के खिलाफ बरगला लेगा। क्या कोई भी टूल बनाकर हमें किसी आग में झोंक देगा और हम उसमें कूद पड़ेंगे? ये हम युवाओं को सोचना और समझना चाहिए।

जंतर–मंतर में सोनम वांगचुक को बलि का बकरा बनाकर जिस शातिराना ढंग से श्भारत घ्रणा–हिन्दू घ्रणाश का प्रहसन किया गया।उसे इस देश का युवा अच्छी तरह से जानता है। युवा साथियों को इसे और बारीकी से समझना चाहिए। ताकि हम किसी टूलकिट का शिकार न बनें। जंतर–मंतर में जिस तरह से भगवान राम को अपमानित किया गया। भारत की संस्कृति के खिलाफ जहर उगला गया। ब्राह्मणों, हिन्दुत्व को खत्म करने का ऐलान किया जाता रहा।ै के खिलाफ नारेबाजी की जाती रही। भारतीयता की बात करने वाली श्राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020श को खत्म करने की जिहादी पोस्टर बनाए गए।नारेबाजी की गई। काफिरों के कत्लेआम के लिए फैज की श्बस नाम रहेगा अल्लाह काश जैसा जिहादी ऐलान किया गया। यानी भारत के श्इस्लामीकरणश का फतवा जारी किया गया।

राष्ट्रीय ध्वज: राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

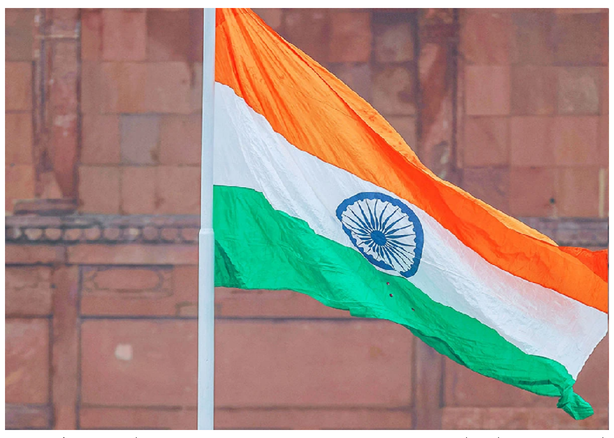

ललित गर्ग ।

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे–धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक–जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात–अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है। भारतीयवायु सेना भर्तीराष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा–स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय–उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन–ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है।राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे–धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। दुर्भाग्य की बात है कि समय–समय पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक तत्व अपने तात्कालिक स्वार्थों, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या वैचारिक कटुता के कारण राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बना देते हैं। कभी राष्ट्रीय ध्वज को राजनीतिक मंचों पर अनावश्यक विवादों में घसीटा जाता है, कभी उसकी गरिमा को कम करने वाले वक्तव्य दिए जाते हैं और कभी उसे केवल दलगत दृष्टि से देखने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा के नहीं होते, वे पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल आते–जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज सदैव राष्ट्र की स्थायी पहचान बना रहता है।

जब राष्ट्रीय प्रतीकों का उपयोग राजनीतिक लाभ या विरोध का माध्यम बन जाता है, तब सबसे अधिक क्षति राष्ट्र की सामूहिक चेतना को होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, नीतियों पर प्रश्न उठाना स्वस्थ परंपरा है, किंतु राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। राजनीतिक मतभेद राष्ट्रभक्ति के स्थान पर नहीं आ सकते। राष्ट्र से ऊपर कोई दल, कोई नेता और कोई विचारधारा नहीं हो सकती। कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज पर आक्षेप वास्तव में उन लाखों बलिदानों का अनादर है, जिनके कारण यह ध्वज आज स्वतंत्र आकाश में लहरा रहा है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष किसी दल के लिए नहीं, बल्कि इसी तिरंगे के सम्मान के लिए था। इसलिए राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रहे। यह हमारे व्यवहार, विचार और सार्वजनिक जीवन का स्थायी संस्कार बने। विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास और उसके मूल्यों का समुचित अध्ययन कराया जाए। युवाओं को यह बताया जाए कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का स्मरण कराने वाला प्रेरक ध्वज है।

आजमगढ़ के नए ARTO कार्यालय के स्थानांतरित होने से लोगों में असंतोष, ARTO विष्णु दत्त मिश्रा ने दिया व्यवस्था दुरुस्त करने का भरोसा

आजमगढ़। जनपद में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) के

जहानागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थानांतरित होने से आम जनता और क्षेत्र में हलचल मच गई है। आजमगढ़ शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित इस नए कार्यालय पर फिलहाल कोई स्पष्ट पहचान चिह्न या दिशा–सूचक बोर्ड न होने के कारण यहाँ पहुँचने वाले लोगों को काफी असमंजस और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मामले पर जानकारी देते हुए एआरटीओ विष्णु दत्त मिश्रा ने बताया कि नए परिसर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ तेजी से जुटाई जा रही हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यात्रियों की सहूलियत के लिए जल्द ही जगह–जगह साइन बोर्ड लगाए जाएँगे और आवागमन के साधनों को भी सुचारु किया जाएगा। विभाग का दावा है कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कर जनता को राहत पहुँचाई जाएगी।

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन को नई मजबूती, अडानी स्किल्स एंड एजुकेशन के साथ समझौता, युवाओं को देश-विदेश में मिलेंगे रोजगार के अवसर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के युवाओं को देश और विदेश में बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत सेवायोजन विभाग और अडानी स्किल्स एंड एजुकेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य युवाओं के कौशल अंतर को दूर कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।यह समझौता 20 जुलाई को बापू भवन स्थित सचिवालय सभागार में श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय मंत्री अनिल राजभर और राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। एमओयू पर सेवायोजन विभाग की निदेशक नेहा प्रकाश और अडानी स्किल्स एंड एजुकेशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधान्वा किमाने ने हस्ताक्षर किए।मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को देश और विदेश की रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। इसके तहत विभिन्न देशों और राज्यों में रोजगार की मांग का सर्वेक्षण, प्रतिष्ठित कंपनियों को सूचीबद्ध करना, युवाओं के कौशल अंतर की पहचान कर उसे दूर करना, विदेशी रोजगार के लिए भाषा प्रशिक्षण, प्रस्थान–पूर्व उन्मुखीकरण तथा रोजगार मिलने के बाद भी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने बताया कि मिशन के अंतर्गत अब तक 6,004 निर्माण श्रमिकों को इजराइल भेजा जा चुका है, जो विभाग की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा 1,336 निर्माण श्रमिकों को प्रशिक्षण के बाद इजराइल भेजने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं 245 नवीनीकरण (रेनोवेशन) क्षेत्र के श्रमिकों को भी इजराइल भेजने की कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास केवल विदेशों में रोजगार दिलाना ही नहीं, बल्कि प्रदेश में प्रतिष्ठित कंपनियों के माध्यम से भी युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। अडानी समूह के साथ हुआ यह समझौता उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम. के. शन्मुगा सुन्दरम ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से प्रदेश में अडानी समूह द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं, जैसे रक्षा औद्योगिक गलियारा, तापीय विद्युत संयंत्र और अन्य औद्योगिक परियोजनाओं में युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि सेवायोजन विभाग ने 1 अप्रैल 2017 से अब तक 17 लाख से अधिक युवाओं का निजी क्षेत्र में चयन कराया है।उन्होंने बताया कि 26 से 28 अगस्त 2025 के दौरान लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित रोजगार महाकुंभ में 16,212 युवाओं का चयन हुआ था, जिनमें 1,612 युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर मिले। इसके अलावा गोरखपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट कार्यक्रम के माध्यम से 279 अभ्यर्थियों का विदेश के लिए चयन किया गया।वाराणसी में आयोजित काशी सांसद रोजगार महाकुंभ के माध्यम से 8,054 युवाओं को रोजगार के लिए चयनित किया गया, जिनमें 85 अभ्यर्थियों को विदेश में रोजगार मिला। वहीं 8 मार्च को आयोजित पिंक रोजगार मेले में 2,765 महिला अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया, जिनमें 79 महिलाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।प्रमुख सचिव ने बताया कि सेवायोजन विभाग केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं के कैरियर निर्माण पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। विभाग द्वारा आयोजित कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रमों के माध्यम से वर्ष 2017 से अब तक 34 लाख से अधिक युवाओं को विषय चयन, प्रशिक्षण, रोजगार की संभावनाओं और कैरियर मार्गदर्शन की जानकारी दी गई है।निदेशक सेवायोजन नेहा प्रकाश ने कहा कि यह समझौता उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि विभाग उद्योगों को सीधे सेवायोजन प्रणाली से जोड़ने के लिए लगातार इंडस्ट्री कनेक्ट कार्यक्रम चला रहा है। इसी क्रम में नोएडा और मुंबई में उद्योग जगत के साथ सफल कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।उन्होंने बताया कि विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई संस्थाओं के साथ समझौते किए हैं। इनमें हिन्दुजा समूह की सहायक कंपनी के साथ रोजगार, एएफसी लिमिटेड के साथ कौशल विकास तथा ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के साथ विदेशी रोजगार के लिए भाषा प्रशिक्षण संबंधी समझौते शामिल हैं।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की सपा सांसद डिंपल यादव ने की निंदा, बोलीं- समाजवादी पार्टी हमेशा युवाओं के साथ खड़ी रहेगी

नई दिल्लीध्लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने छात्रों और युवाओं के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा छात्रों और नौजवानों के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए सरकार के रवैये पर सवाल उठाए।संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि पूरे देश ने देखा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई में छात्रों को गंभीर चोटें आईं और छात्राओं के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ।उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों को लेकर भाजपा सरकार की नीयत ठीक नहीं दिखती। उनके अनुसार छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की तस्वीरों ने पूरे देश को दुखी किया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार रामराज्य की बात करती है, तो उसे छात्रों और युवाओं के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए।डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में किसान, युवा, छात्र और समाज का हर वर्ग परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनके आंदोलनों को बलपूर्वक दबाने का प्रयास कर रही है।सपा सांसद ने कहा कि 20 जुलाई को दिल्ली में हुई घटना लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध–प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, उसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों के प्रति पुलिस और सरकार के रवैये की निंदा करती है तथा युवाओं के अधिकारों और न्याय की लड़ाई आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी।

आशियाना में चेन स्नेचिंग का खुलासा, पुलिस ने शातिर लुटेरे को दबोचा, छीनी गई सोने की चेन का हिस्सा बरामद

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी के आशियाना क्षेत्र में महिला से चेन छीनने की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूटी गई सोने की चेन का एक हिस्सा भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी लूट और चोरी की कई घटनाओं में जेल जा चुका है तथा उसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।पुलिस के मुताबिक 14 जुलाई 2026 को शोभित सरन ने आशियाना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 26 जून की रात करीब 9रू47 बजे वह अपनी पत्नी को चिकित्सक के यहां से दिखाकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मानसरोवर योजना स्थित पार्क संख्या–10 के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाश उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर आशियाना थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध की पहचान की गई। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 21 जुलाई की रात करीब 11रू30 बजे रमाबाई अंबेडकर मैदान रैली स्थल रोड से राज रावत (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने खर्च पूरे करने के लिए रात के समय मोबाइल और सोने की चेन झपटने की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन का लगभग 1.680 ग्राम वजन का टुकड़ा बरामद किया है।बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की एक और धारा बढ़ाते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी राज रावत, रायबरेली रोड स्थित ईश्वरी खेड़ा का निवासी है और उसके खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध पीजीआई और सुशांत गोल्फ सिटी थानों में लूट, चोरी तथा चोरी के माल की बरामदगी सहित कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अन्य थानों से भी उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटा रही है।

बायोऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में उत्तर प्रदेश की बड़ी पहल

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को बायोऊर्जा एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी सभागार में भारत बायोऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी–2026 की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने की। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, निवेश की संभावनाओं, उद्योगों की भागीदारी तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के निदेशक रविंद्र सिंह, सचिव पंकज सिंह सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, बायोऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं अन्य संबंधित पक्ष उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और निवेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रदर्शनी प्रदेश को बायोऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, संपीड़ित जैव गैस, एथेनॉल, जैव डीजल, टिकाऊ विमान ईंधन, कचरे से ऊर्जा उत्पादन तथा अन्य हरित तकनीकों के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगी।उन्होंने कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण उत्तर प्रदेश के पास कृषि अवशेष का विशाल भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में लगभग 17 मिलियन टन कृषि अवशेष में से केवल 5 मिलियन टन का ही उपयोग हो रहा है। यदि इसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो प्रदेश हरित ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्तर प्रदेश को बायोऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस क्षेत्र में लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं तथा समय की आवश्यकता के अनुरूप नीतियों को और अधिक मजबूत एवं अद्यतन बनाया जाएगा।उन्होंने सभी विभागों, उद्योग संगठनों और संबंधित पक्षों से समन्वित प्रयास करते हुए आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी प्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और सतत विकास को नई गति देगी तथा उत्तर प्रदेश को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।बैठक में बताया गया कि 11 से 13 अगस्त 2026 तक ग्रेटर नोएडा स्थित भारत प्रदर्शनी केंद्र एवं प्रांगण में यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण तथा भारतीय हरित ऊर्जा महासंघ के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इसमें देश–विदेश के नीति निर्माता, वैज्ञानिक, उद्योगपति, निवेशक और ऊर्जा विशेषज्ञ भाग लेंगे।आयोजन के दौरान 25 से अधिक विचार–विमर्श सत्र आयोजित होंगे। 120 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता अपने विचार रखेंगे, 150 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे तथा हजारों प्रतिनिधियों और व्यावसायिक आगंतुकों के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को हरित ऊर्जा और बायोऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मन के मौसम' काव्य संग्रह का विमोचन, पर्यटन मंत्री बोले- नारी मन की संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज है पुस्तक

लखनऊ, (संवाददाता) उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को पर्यटन भवन के सभागार में लेखिका रुचि चौहान के प्रथम काव्य संग्रह 'मन के मौसम' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने लेखिका को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह काव्य संग्रह नारी मन की कोमल भावनाओं, संवेदनाओं और जीवन के विविध अनुभवों का सशक्त साहित्यिक दस्तावेज है, जो समाज विशेषकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।पर्यटन मंत्री ने कहा कि 'मन के मौसम' में नारी हृदय की सूक्ष्म भावनाओं, मिलन, वियोग, पीड़ा, संघर्ष, शोषण और जीवन के अनेक अनछुए पहलुओं को अत्यंत सरल एवं प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि लेखिका का शब्द चयन सराहनीय है और कई कविताओं में भावनाएं शब्दों के साथ सहज रूप से बहती हुई प्रतीत होती हैं।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पुलिस मुख्यालय की पैनी नजर, डीजीपी राजीव कृष्ण ने कंट्रोल रूम से संभाला मोर्चा

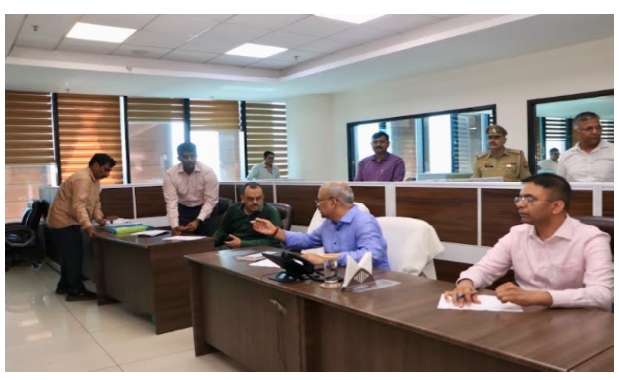

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश में कानून व्यवस्था को पूरी तरह से सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस मुख्यालय लगातार सक्रिय है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से प्रदेशभर की सुरक्षा व्यवस्था और मौजूदा हालात की गहन समीक्षा की। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कंट्रोल रूम में मौजूद रहे और प्रदेश के विभिन्न जिलों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी।पुलिस मुख्यालय से सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क स्थापित कर स्थिति की जानकारी ली जा रही है। जिलों से मिल रहे फीडबैक के आधार पर कानून व्यवस्था का आकलन किया जा रहा है तथा आवश्यकतानुसार वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिशा–निर्देश जारी किए जा रहे हैं।वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी पुलिस आयुक्तों, परिक्षेत्रीय अधिकारियों और जिला पुलिस प्रमुखों को अपने–अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा किसी भी परिस्थिति से तत्काल और प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए हैं।पुलिस मुख्यालय द्वारा सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की भ्रामक या अफवाह फैलाने वाली गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि अफवाहों पर कड़ी नजर रखें और आमजन से संवाद बनाए रखते हुए शांति एवं सौहार्द का वातावरण कायम रखें।डीजीपी राजीव कृष्ण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रत्येक घटना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं तथा वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बल और संसाधन भी तत्काल उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि प्रदेश में पूरी तरह शांति और सामान्य जनजीवन बना रहे।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की बैठक सम्पन्न, चढ़ावा व्यवस्था, मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति और श्रावण मेले की तैयारियों पर मंथन

, लखनऊ (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को अयोध्या में आयोजित हुई। बैठक में आगामी श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित बढ़ी हुई संख्या को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, मंदिर प्रबंधन, चढ़ावा व्यवस्था, मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति तथा अन्य प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही न्यासी मंडल में रिक्त पदों की पूर्ति और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की गई।बैठक में चढ़ावा राशि की गणना प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल की रिपोर्ट पर भी चर्चा प्रस्तावित थी, लेकिन अंतिम जांच रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं होने के कारण इस विषय पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। न्यास ने इस मामले में उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं की सुनवाई की प्रगति और न्यायालय के निर्देशों का भी संज्ञान लिया।न्यासियों ने मंदिर परिसर में लगे निगरानी कैमरों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संतोष व्यक्त किया कि चढ़ावा गणना कक्ष सहित सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थापित कैमरों की पहुंच संबंधित सुरक्षा अधिकारियों को पहले से उपलब्ध करा दी गई है। इससे सुरक्षा और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित हो रही हैं।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक संस्थान की टकसाल के साथ स्वर्ण एवं रजत चढ़ावे की शुद्धता जांचने तथा उनके प्रबंधन की व्यवस्था पहले की तरह निरंतर जारी रहेगी। न्यासी मंडल ने इस व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।चढ़ावा राशि के प्रबंधन को लेकर भारतीय स्टेट बैंक के साथ हुए समझौते के अंतर्गत बैंक की जिम्मेदारियों और उनके निर्वहन में सामने आई त्रुटियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। न्यासी मंडल ने इस मामले में बैंक की प्रतिक्रिया और अपेक्षित गंभीरता के अभाव पर असंतोष व्यक्त किया। इसके बाद न्यास की वित्त समिति को बैंक के साथ भविष्य के संबंधों और मानक प्रक्रियाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए गए।बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। चयन समिति ने बताया कि इस पद के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके कारण सभी आवेदनों का गहन परीक्षण करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। समिति ने चयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा, जिसे विषय की गंभीरता को देखते हुए स्वीकार करने पर विचार किया गया।न्यास ने स्पष्ट किया कि श्रीराम मंदिर से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगामी श्रावण मास में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

पेपर लीक और छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में संसद परिसर में सपा का प्रदर्शन, अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई

नई दिल्लीध लखनऊ।(संवाददाता) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पेपर लीक, छात्रों के कथित उत्पीड़न और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुधवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों के सांसदों के साथ प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार पर आयोजित विरोध–प्रदर्शन के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि छात्र, नौजवान और उनके परिवार पेपर लीक की घटनाओं तथा सरकार के रवैये से आहत हैं। उनका कहना था कि छात्र लगातार शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर कोई निर्णय नहीं ले रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा क्या कारण है कि सरकार शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटा रही है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक मामले में छात्रों को न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे छात्रों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, जिससे कई छात्र घायल हुए और छात्राओं के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में देशभर में 150 से अधिक पेपर लीक की घटनाएं हो चुकी हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में ही 20 से अधिक भर्ती और परीक्षा संबंधी प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आए हैं। उनके अनुसार इससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष और छात्र–युवाओं की मांगें समान हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, छात्रों के साथ हुई कथित घटनाओं की जवाबदेही तय करने और सरकार द्वारा छात्रों से संवाद स्थापित करने की मांग दोहराई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं, किसानों और आम जनता की समस्याओं की अनदेखी की है तथा महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।संसद में अपनी बात रखते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के छात्रों और युवाओं के भविष्य का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों की बात नहीं सुनी जाएगी तो आंदोलन और तेज होगा। उनका कहना था कि सरकार को पहले छात्रों के साथ हुई घटनाओं का जवाब देना चाहिए।

ओमैक्स सिटी चोरीकांड का खुलासा, बिजनौर पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा, चोरी का सामान और नकदी बरामद

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र स्थित ओमैक्स सिटी में बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी करने की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान, नकदी और अन्य वस्तुएं बरामद की गई हैं, जबकि उसका एक साथी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।पुलिस के अनुसार 19 जुलाई 2026 को ओमैक्स सिटी निवासी गर्विता सिंह ने बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उनके बंद मकान का ताला तोड़कर घर में रखे जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने आसपास लगे लगभग 40 से 50 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार को औरंगाबाद अंडरपास से न्यू गुडौरा जाने वाली शहीद पथ की सर्विस रोड से सुनील (41 वर्ष) निवासी कठौता, थाना विभूतिखंड को गिरफ्तार कर लिया।

पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन काशी विद्यापीठ के सभी गेट बंद

वाराणसी,संवाददाता। पेपर लीक मामले और दिल्ली के जंतर–मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को वाराणसी में छात्र और राजनीतिक संगठनों का प्रदर्शन तेज हो गया। बीएचयू, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और जिला मुख्यालय समेत कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी है। स्थिति को देखते हुए बीएचयू और काशी विद्यापीठ को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 5 थानों की पुलिस, पीएसी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। परिसर और आसपास के इलाकों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका गया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष चंचल शर्मा समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। वहीं, जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर रहे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। छात्र संगठनों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

कोर्ट से जानलेवा हमले के आरोपी को जमानत,जज ने 50-50 हजार का बांड भराया

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की कोर्ट ने चारदीवारी निर्माण के विवाद को लेकर घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपियों को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। अपर जिला जज (चतुर्थ) सर्वजीत कुमार सिंह की अदालत ने ठठरा, मिर्जामुराद निवासी आरोपित हरिओम सिंह को जमानत दे दी। कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने पर लंबी बहस हुई इसके बाद कोर्ट ने 50–50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव व नरेश यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन ने कोर्ट को बताया कि ठठरा, मिर्जामुराद निवासिनी रीता सिंह ने मिर्जामुराद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि उसकी बेटी की शादी नवम्बर माह में पड़ा हुआ है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अपने हिस्से की जमीन बेचना चाहती है। जिसके लिये वह अपनी जमीन पर 7 जुलाई 2026 को चहारदिवारी घेरवाने के लिए गई। उसी समय दोपहर लगभग 2 बजे के आसपास पड़ोस में रहने वाले उमेश कुमार सिंह और उनके पुत्र शिवम सिंह एवं हरिओम सिंह लाठी–डण्डा और अवैध असलहा लेकर मारने के लिए दौड़े। वह डरकर भागकर अपने घर में घुस गई तो वे लोग उसके घर में घुसकर काफी तोड़–फोड़ किए। उसी समय उसका देवर प्रदीप सिंह एवं उनका साला विनय कुमार तथा प्रार्थिनी का बेटा सत्यम सिंह जब बीचबचाव करने के लिये आये तो उन लोगों ने प्रार्थिनी के देवर के साले पर धारदार हथियार से वार किये। हमले से उन दोनों लोगों का सर फट गया और काफी खून बहने लगा। जिस पर उन लोगों को आनन–फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं हमलावरों ने प्रार्थिनी के बेटे सत्यम सिंह को भी लाठी–डंडे से मारे। जिसके चलते वह लोग डरकर घर छोड़कर भाग गए। अब उमेश कुमार सिंह के लड़के शिवम सिंह और हरिओम सिंह फोन करके भद्दी–भद्दी गालियां देते हैं और जान से नारने की धमकी देते हैं। इस मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपित हरिओम सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दोस्त को बचाने में दूसरा दोस्त भी तालाब में डूबा–मौत, आधा घंटे बाद मिले शव

आगरा,संवाददाता। आगरा के थाना अछनेरा क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब में डूबते दोस्त को बचाने में दूसरा दोस्त भी डूब गया। दोनों किशोर थे। दोनों स्कूल से घर बैग रखकर अरावली की पहाड़ियों के बीच बने गहरे तालाब की तरफ गए थे। लगभग आधा घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका। हादसे के बाद दोनों के परिवार में कोहराम मच गया है। घटना बुधवार दोपहर लगभग 2 बजे की है। मृतक किशोरों की पहचान 14 वर्षीय करन और 15 वर्षीय देवमोहन के रूप में की गई है। थाना अछनेरा अंतर्गत गांव मगूरा निवासी करन पुत्र सोमेंद्र और गांव मंशा निवासी देवमोहन पुत्र ईश्वरी प्रसाद बुधवार दोपहर 12.45 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद घर पहुंचे। स्कूल का बैग रखने के बाद दोनों लगभग डेढ़ किमी दूर अरावली की पहाड़ियों के बीच स्थित तालाब की ओर चले गए। यहां 15 वर्षीय देवमोहन नहाने के लिए तालाब में उतर गया। पैर फिसलने की वजह से वह फिसलकर गहरे पानी में चला गया। मदद के लिए उसने करन को आवाज लगाई तो करन ने उसका हाथ पकड़ लिया। वह उसे बाहर खींचने लगा। मगर, देवमोहन गहरे पानी में समाता चला गया। इसी बीच करन का भी पैर फिसल गया और वह भी तालाब में गिर गया। दोनों मदद के लिए चिल्लाने लगे। आसपास मौजूद लोग मौके पर एकत्रित हुए, तब तक दोनों डूब चुके थे। सूचना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इसी बीच पुलिस भी पहुंच गई। आधा घंटे की मशक्कत के बाद दोनों किशोरों को तालाब से बाहर निकाला जा सका। करन और देवमोहन को अछनेरा सीएचसी पर ले जाया गया। जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों रायभा स्थित लॉर्ड कृष्णा स्कूल में पढ़ते थे। हादसे के बाद दोनों के परिवार में कोहराम मच गया।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन,कार्यकर्ताओं की पुलिस से हुई तकरार

आगरा,संवाददाता। नीट पेपर लीक मामले को लेकर सियासत गरमा गई है। दिल्ली में धरना दे रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस हिरासत में लिए जाने के विरोध में मंगलवार रात 8 बजे आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

शहर के व्यस्त एमजी रोड पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता इकट्ठा हुए और सड़क पर ही धरने पर बैठ गए, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप था कि नीट पेपर लीक जैसे गंभीर मामले में सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

काशी के मुस्लिम बूथ-अध्यक्षों से महामंत्री संगठन ने पूछे सवाल,2027 में आपका बूथ कितना मजबूत

वाराणसी,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की आठ विधानसभाओं समेत काशी क्षेत्र में बुधवार को 71 बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित किए गए। काशी की दक्षिणी विधानसभा के बूथ सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने मुस्लिम बूथ अध्यक्षों से सवाल किए। धर्मपाल ने सबसे पहले मुस्लिम बूथ अध्यक्षों को उनके नाम से बुलाया, उनके बूथ का नाम पूछा और फिर बूथ पर मतदाताओं की संख्या जानी। इसके बाद उनके बूथ पर भाजपा मतदाताओं की संभावित संख्या, अब तक कितने वोटरों से संपर्क भी पूछा। बूथ अध्यक्ष से उनके बूथ पर मैनेजमेंट और चुनाव के दिन हर वोट को मतदान केंद्र तक पहुंचाने की रणनीति भी जानी। पन्ना प्रमुख से कोआर्डिनेशन और बूथ की टीम का समन्वय भी जाना। हालांकि 12 बूथ अध्यक्षों से सवाल हुए, जिसमें कई मुस्लिम बूथ अध्यक्ष शामिल थे। विधान सभा चुनाव के रण में उतरने से पहले प्रदेश भाजपा बूथ स्तर तक संगठन को धार देने में जुट गई है। ठक्ष्र का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और तैयारियों की परीक्षा हुई जिसमें चुनाव की तैयारियों को आगे बढ़ाने से पहले अपनी बूथ इकाइयों को आज कई पहलुओं पर परखा गया। वाराणसी दक्षिणी विस के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने खुले मंच से कार्यकर्ताओं से सवाल किए। महानगर के विभिन्न वार्डों से आए कार्यकर्ताओं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न ब्लॉक स्तर पर आयोजन में अलग–अलग पदाधिकारियों और मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। को वाराणसी जिले की आठ और काशी क्षेत्र की 71 विधानसभा सीटों पर एक साथ सम्मेलन की योजना बनाई है। वाराणसी में संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह बूथ अध्यक्षों की सक्रियता और उनकी तैयारियों का जायजा लेंगे। दक्षिणी में से कितने बूथ अध्यक्ष सक्रिय हैं। जहां कहीं भी बूथ अध्यक्ष निष्क्रिय हैं उन्हें बदल दिया जाएगा। इन सम्मेलनों में चुनाव की प्रभावी रणनीति बनाने के पहले मतदान की प्राथमिक इकाई बूथ की तैयारियां परखी जाएंगी। सुनिश्चित किया जाए कि बूथ अध्यक्ष चुनाव की तैयारियों के लिहाज अध्यक्षों की सक्रियता में कमी पाई जाएगी पार्टी उन्हें बदलने या सक्रिय करने की योजना के साथ चुनावी रणनीति पर काम करेगी।

प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह बूथ सम्मेलन के दौरान रैंडम सत्यापन के लिए मंच से किसी भी बूथ अध्यक्ष का नाम बुलाया जाएगा और बूथ प्रबंधन से संबंधित कुछ सवाल पूछे जाएंगे तो उसे अपने स्थान से ही सारे प्रश्न का जवाब देना होगा। इस क्षेत्र से डा. नीलकंठ तिवारी विधायक हैं। उनके जवाब के आधार पर यह भी पता लग जाएगा कि संबंधित बूथ अध्यक्ष की कितनी तैयारी है और वह चुनाव के लिए कितना सक्षम है। सत्यापन में जो भी बूथ अध्यक्ष गैरहाजिर मिलेगा, उसका स्पष्ट कारण पता करके संबंधित जिलाध्यक्ष प्रदेश नेतृत्व को रिपोर्ट भेजेंगे।

रविदास जन्मस्थली की माटी बीजेपी देशभर में गांव-गांव ले जाएगी,

वाराणसी से यूपी के सभी जिलों-27 राज्यों में 131 कलश भेजा जाएगा

वाराणसी,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती को देशभर में ऐतिहासिक तरीके से मनाएगी। आषाढ़ पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा तक 650वीं जयंती वर्ष मनाएगी। इन महीनों में भाजपा देशभर में संत रविदास थीम पर कई आयोजन करेगी। जनता से संवाद भी होगा। वाराणसी के सीरगोवर्धनपुर यानि संत रविदास की जन्मस्थली की मिट्टी 131 कलशों में भरकर उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न 27 राज्यों तक ले जाई जाएगी। इन राज्यों के प्रमुख जिलों, मंडलों, गांवों और बस्तियों तक पहुंचाई जाएगी। इन कलशों का पूजन कर संत रविदास के सामाजिक समरसता और मानवता के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। 29 जुलाई आषाढ़ पूर्णिमा पर कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित कई मंत्री और विधायक भी जुटेंगे। इसके साथ ही यूपी के सभी जिलों समेत देशभर से संत समाज के लोग 131 कलशों को पूजन और आरती के बाद रवाना करेंगे। भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व ने संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष को उत्साह और भव्यता के साथ मनाने का निर्णय लिया है। भाजपा उनकी जयंती यानि 1 फरवरी तक देशव्यापी कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसका आगाज 28– 29 जुलाई को वाराणसी से होगा। 28 जुलाई को देश के विभिन्न हिस्सों 27 राज्यों से 131 टोलियां से संत रविदास जन्मस्थली पर पहुंचेंगी। टोलियों के माध्यम से 131 कलशों में जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी भरी जाएगी। इस माटी का देशभर के गांव–गांव और बस्ती–बस्ती तक पहुंचेंगी और वहां उसका पूजन किया जाएगा। गुरु पूर्णिमा को संत शिरोमणि रविदास जन्मस्थली पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी जन्मस्थली की मिट्टी से भरे 131 कलशों का पूजन करेंगे। इसके साथ मैदान में जनसभा संबोधित करेंगे। 30 जुलाई को सभी 131 कलश वाहनों पर रखकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और देश के अन्य राज्यों के लिए रवाना किए जाएंगे। इन 131 कलशों में उत्तर प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिले, देश के 27 राज्य और छह जोन तक भेजा जाएगा।

अखिलेश की गिरफ्तारी के विरोध में सपा का प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

आगरा,संवाददाता। बुधवार को किला के पास से पुलिस ने सपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह सभी कार्यकर्ता एक दिन पहले दिल्ली में पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ हुई कार्रवाई के विरोध में जमा हुए थे। प्रदर्शन में पार्टी के पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। हालांकि, प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने करीब 50 सपाइयों को हिरासत में ले लिया। उन सभी को पुलिस लाइन भेज दिया। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए एहतियातन लाल किला परिसर पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दरअसल, दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान विपक्षी नेताओं को हटाने और हिरासत में लेने के विरोध में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। इसी के तहत बुधवार को आगरा के लाल किला परिसर पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए। प्रदर्शन की सूचना पर पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल किला परिसर पर तैनात था। जैसे ही सपा कार्यकर्ता पहुंचे और प्रदर्शन शुरू किया, उन सभी को हिरासत में ले लिया गया। सभी कार्यकर्ताओं को जबरन बस में बैठाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया। हिरासत में लेने के दौरान सपा के महानगर अध्यक्ष ने हाथ जोड़कर पुलिस से कार्यकर्ताओं को न ले जाने की अपील की, लेकिन पुलिस ने किसी की एक नहीं सुनी। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने भी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। मौके पर कुछ देर तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप था कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रही है। कार्यकर्ताओं ने सरकार को निकम्मी सरकार बताते हुए कहा कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सांसद डिंपल यादव देश के बच्चों की सुरक्षा के लिए एक मां की तरह आगे आईं। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव खुद भी एक मां हैं, इसलिए उन्होंने बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाई। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

चोरी की बाइक बरामद, रिश्वत लेकर आरोपी छोड़े,डीसीपी पश्चिम ने बैठाई जांच

आगरा,संवाददाता। आगरा में चोरी हुई एक बाइक की बरामदगी के बाद मलपुरा थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित का दावा है कि पुलिस ने रिश्वत लेकर मुख्य आरोपी और बाइक खरीदने वाले दो अन्य लोगों को छोड़ दिया। इस मामले में डीसीपी पश्चिम ने जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना एत्माद्दौला थाना क्षेत्र से संबंधित है। नारायच के सुदामपुरी निवासी पवन गोला ने 26 अगस्त, 2021 को अपनी बाइक चोरी होने की प्राथमिकी एत्माद्दौला थाने में दर्ज कराई थी। पवन ने रामबाग चौराहे पर मां वैष्णो देवी नाम से मेडिकल स्टोर है।

पीड़ित पवन गोला के अनुसार, 20 जून को मलपुरा थाने के दरोगा दीपक ने उन्हें फोन कर बाइक मिलने की सूचना दी और पुलिस चौकी बुलाया। वहां चोरी के तीन आरोपी भी मौजूद थे। पवन ने आरोप लगाया कि दरोगा ने उनसे स्कूछ ले–देकरर मामला रफा–दफा करने को कहा, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। पवन के मना करने पर दरोगा ने उन्हें यह कहकर लौटा दिया कि चूंकि मामला एत्माद्दौला थाने में दर्ज है, इसलिए बाइक और आरोपियों को शाम तक वहीं भेज दिया जाएगा। हालांकि, शाम को पता करने पर न तो आरोपी एत्माद्दौला थाने में मिले और न ही बाइक पहुंची। पीड़ित ने चौकी पर मिले आरोपियों से मोबाइल पर संपर्क किया। आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि दरोगा ने उनसे प्रति व्यक्ति 15–15 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया है। इसके बाद पवन गोला ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। चौंकाने वाली बात यह रही कि पुलिस ने किसी अन्य अधिकारी के बजाय दरोगा दीपक को ही इस मामले की जांच सौंप दी। पीड़ित का आरोप है कि 10 जुलाई की शाम 5 बजे दरोगा दीपक उनकी दुकान पर पहुंचे और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। पवन गोला ने बताया कि दरोगा ने उन्हें बाइक दिलाने और उसे ठीक कराने का लालच दिया। जब वह नहीं माने, तो दरोगा ने उन्हें फर्जी मामले में फंसाकर जेल भेजने की धमकी भी दी। दरोगा के साथ आए एक युवक ने उनका दरोगा के साथ फोटो भी लिया था। इसके बाद आईजीआरएस शिकायत को निस्तारित कर दिया गया। जब पीड़ित को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने दोबारा शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी पश्चिम ने अब इस पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

फर्जी पत्नी-बेटा बनकर लाखों की ठगी, मां-बेटे गिरफ्तार

वाराणसी,संवाददाता। एक मृत व्यक्ति का फर्जी बेटा और पत्नी बनकर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी मां–बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सारनाथ थाना क्षेत्र की है। भगवानपुर लंका, वाराणसी निवासी अमित सोनकर ने पुलिस को बताया कि सारनाथ के खजूही निवासी नवेंद्र कुमार पटेल और उसकी मां सुषमा देवी ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाई। उन्होंने अमित को बताया कि वे अपनी जमीन बेचना चाहते हैं, जो अभी

सरकारी अभिलेखों में उनके नाम दर्ज नहीं है। शातिर मां–बेटे ने जमीन अपने नाम कराकर उसे बेचने के नाम पर अमित से लाखों रुपये ले लिए, लेकिन जमीन की रजिस्ट्री नहीं की और टाल–मटोल करते रहे। काफी समय बीतने के बाद जब अमित ने मां–बेटे से उनके आधार और पैन कार्ड मांगे, तो उनमें नाम में भिन्नता मिली।पूछने पर मां–बेटे ने बताया कि आधार कार्ड में त्रुटि है, जिसे वे संशोधित करवा लेंगे और जमीन की रजिस्ट्री कर देंगे। उन्होंने अमित को किसी और की जमीन का एग्रीमेंट भी करा दिया। जब लंबे समय तक जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई, तो अमित को संदेह हुआ। उन्होंने मां–बेटे के बारे में आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई, तब पता चला कि जमीन का एग्रीमेंट करने वाली सुषमा देवी के वास्तविक पति स्वर्गीय मुन्नालाल पटेल हैं। वहीं, जमीन के वास्तविक स्वामी स्वर्गीय बालमुकुंद कपूर हैं। मां–बेटे ने खुद को स्वर्गीय बालमुकुंद कपूर की पत्नी और बेटा बताकर अमित से लाखों रुपये ऐंठे थे। अमित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी सुषमा देवी को 24 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, जबकि नवेंद्र कुमार पटेल की तलाश जारी थी। बीती रात जब पुलिस आरोपी नवेंद्र को पकड़ने पहुंची, तो वह घर की दीवार फांदकर भागने लगा। पुलिस के रिक्रूट कांस्टेबल संचित त्रिपाठी ने उसे 1.5 किलोमीटर तक दौड़ाकर पकड़ लिया और जेल भेज दिया। इस गिरफ्तारी में थाना प्रभारी पंकज कुमार त्रिपाठी, उप निरीक्षक राहुल यादव और रिक्रूट कांस्टेबल संचित त्रिपाठी की टीम शामिल रही।

दलित लड़की का अपहरण कर रेप किया, धर्मांतरण कराया,आरोपी गिरफ्तार

अमेठी,संवाददाता। संग्रामपुर थाना क्षेत्र में एक 15 साल दलित किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और जबरन धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में 21 वर्षीय आरोपी जाबिर को गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और एससी–एसटी एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 20 जुलाई की सुबह की है। आरोप है कि संग्रामपुर थाना क्षेत्र के उसी गांव का निवासी जाबिर नामक युवक किशोरी को बहला–फुसलाकर उसका अपहरण कर ले गया था। इसके बाद आरोपी पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने और जबरन धर्म परिवर्तन कराकर शादी करने का आरोप है। पीड़िता की मां की तहरीर पर संग्रामपुर पुलिस ने आरोपी जाबिर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससी–एसटी एक्ट) और उत्तर प्रदेश धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया है। संग्रामपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया और मुख्य आरोपी जाबिर को भी गिरफ्तार कर लिया। अमेठी के अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नाबालिग को बरामद कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है और उसके बयान दर्ज कराए जा रहे हैं। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि दोषी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अमेठी में 834 वाहन स्वामियों को रोड टैक्स बकाया,

अमेठी,संवाददाता। अमेठी में रोड टैक्स जमा न करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) महेंद्र बाबू गुप्ता ने 20 हजार रुपये या उससे अधिक का टैक्स बकाया रखने वाले 834 वाहन स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं। इसके साथ ही वसूली प्रपत्र भी भेजे गए हैं। एआरटीओ महेंद्र बाबू गुप्ता ने बताया कि परिवहन आयुक्त के निर्देश पर जिले में रोड टैक्स की बकायेदारी को लेकर अभियान तेज किया गया है। इस अभियान के तहत उन सभी वाहन स्वामियों को डिमांड नोटिस जारी की गई हैं, जिन पर 20 हजार रुपये या उससे अधिक का रोड टैक्स बकाया है। कुल 834 वाहन स्वामी इस श्रेणी में आते हैं। विभाग ने इन सभी वाहन स्वामियों से लिखित नोटिस के साथ–साथ टेलीफोन के माध्यम से भी संपर्क किया है। उनसे समय रहते बकाया टैक्स जमा करने का अनुरोध किया गया है। एआरटीओ ने चेतावनी दी है कि नोटिस मिलने के बाद भी यदि टैक्स जमा नहीं किया जाता है, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रोकना, वाहन को सीज करना और राजस्व वसूली के लिए वसूली प्रपत्र के तहत अन्य कानूनी प्रक्रियाएं शामिल हैं। महेंद्र बाबू गुप्ता ने बताया कि लंबे समय से टैक्स जमा न होने के कारण सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे कार्यालय आकर या ऑनलाइन माध्यम से अपना बकाया टैक्स जमा कराएं, ताकि वे कानूनी कार्रवाई और जुर्माने से बच सकें।

खुरपका-मुंहपका टीकाकरण का आठवां चरण शुरू

अमेठी,संवाददाता। पशुओं को खुरपका–मुंहपका जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान का आठवां चरण शुरू हो गया है। जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर से इसे हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह अभियान 8 सितंबर 2026 तक चलेगा। बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अभियान के शुभारंभ के दौरान मिर्जापुर मंडल की अपर निदेशक पशुपालन डॉ. हेमलता शर्मा और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जी.के. शुक्ला सहित सभी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं पशु चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शुक्ला ने बताया कि 19वीं पशुगणना के अनुसार जनपद में लगभग 6 लाख 58 हजार पशु हैं।

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हड्रेड से बाहर

नई दिल्ली , ,। दाहिने घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल श्द हंड्रेडश टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। इस उभरते हुए खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी का एक अहम मौका नहीं मिल सकेगा। इसी के साथ बेथेल के अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। बर्मिंघम फीनिक्स ने शुक्रवार को ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ ओपनिंग मैच के लिए बेथेल की जगह साउथ अफ्रीका के डोनोवन फरेरा को कप्तान चुना है। फ्रेंचाइजी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की फिटनेस पर भी नजर रख रही है, जो हाल ही में इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद टीम में शामिल हुए हैं। बेथेल भारत के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सोमवार सुबह एमआरआई स्कैन के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेथेल के फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड का पहला टेस्ट मैच 19 अगस्त को हेडिंग्ले में शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 27 अगस्त और 9 सितंबर से खेले जाएंगे। ईसीबी ने एक बयान में कहा, जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण श्द हंड्रेडश से बाहर हो गए हैं। उन्हें मेट्रो बैंक वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी और कल सुबह उनका एमआरआई स्कैन हुआ था। वह अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे और हम जरूरत के हिसाब से अपडेट देते रहेंगे।

अपनी निराशा जाहिर करते हुए बेथेल ने कहा, द हंड्रेड से बाहर होना निराशाजनक है, खासकर एजबेस्टन में अपने फैंस के सामने बर्मिंघम फीनिक्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका चूकना। दुर्भाग्य से, मुझे पूरी तरह फिट होने के लिए समय चाहिए। अब मेरा ध्यान अपना रिहैबिलिटेशन पूरा करने और पूरी तरह फिट होकर वापसी करने पर है।

21 वर्षीय खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स ने 3,40,000 पाउंड के कॉन्ट्रैक्ट पर रिटेन किया और 2026 सीजन के लिए कप्तान बनाया था। इस फ्रैंचाइजी की संयुक्त मालकिन वार्विकशायर और अमेरिकी इन्वेस्टमेंट फंड नाइटहेड कैपिटल हैं। इंग्लैंड के फुटबॉल स्टार जूड बेलिंगहम भी इसमें स्टेकहोल्डर हैं।

बेथेल को इंग्लैंड के भविष्य के लीडर्स में से एक माना जाता है। पिछले साल जब हैरी ब्रूक को आराम दिया गया था, तब बेथेल ने आयरलैंड में टीम को टी20 सीरीज जिताई थी। उन्हें बतौर टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स का संभावित उत्तराधिकारी भी माना जाता है। अगर ब्रूक टेस्ट टीम की कप्तानी संभालते हैं, तो बेथेल व्हाइट–बॉल फॉर्मेट में एक विकल्प हो सकते हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उंगली की चोट के कारण गर्मी के मौसम की मुश्किल शुरुआत के बाद, बेथेल ने बेहतरीन फॉर्म वापस हासिल करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 74 रन बनाए थे, उन्होंने भारत के विरुद्ध दूसरे टी20 मुकाबले में नाबाद 76 रन की पारी खेली, और वनडे सीरीज के फाइनल मैच में 91 रन बनाने के साथ 49 रन देकर 1 विकेट लेकर श्प्लेयर ऑफ द मैचश पुरस्कार जीता था।

वार्नर ने कबूली सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात, अगली सुनवाई में कोर्ट सुनाएगा सजा

सिडनी , ,। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18 अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला 5 अप्रैल, ईस्टर रविवार का है, जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। वह एक जगह पर रुके, जो यादृच्छिक श्वास परीक्षण बिंदु से थोड़ी दूरी पर थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं, एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था। वह मानते हैं कि यह एक लापरवाही भरा फैसला था, उबर लेने के बजाय अपनी कार में बैठना एक बेवकूफी भरा फैसला था।कोर्ट ने इस मामले में अंतिम सजा सुनाने के लिए 18 अगस्त की तारीख तय की है। वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में स्थानीय ट्रैफिक कानूनों के तहत सजा का सामना करना पड़ सकता है। उनके दोष स्वीकार करने के बाद आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन में सिडनी थंडर के कप्तान के रूप में उनकी भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

मौजूदा नियमों के अनुसार, वॉर्नर पर कम से कम छह महीने के लिए ड्राइविंग प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उन पर 2,200 ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है और गंभीर स्थिति में उन्हें अधिकतम नौ महीने तक की जेल की सजा भी हो सकती है।क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी ली जर्मन ने वॉर्नर की गिरफ्तारी के बाद कहा था कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं और संगठन इन्हें पूरी गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा, क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स हमेशा सुरक्षित ड्राइविंग का समर्थन करता है और शराब पीकर गाड़ी चलाने के पूरी तरह खिलाफ है। सिडनी थंडर,

सिडनी सिक्सर्स और एनएसडब्ल्यू ब्लूज भी शराब पीकर गाड़ी चलाने को रोकने के लिए राज्य सरकार के जागरूकता अभियान का हिस्सा हैं और लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

चेल्सी फुटबाल क्लब से जुड़े इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मार्गन रोजर्स, 7 साल का हुआ करार

लंदन , ,। चेल्सी फुटबॉल क्लब ने इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स को एस्टन विला से साइन कर लिया है। प्रीमियर लीग क्लब ने कहा कि 23 साल के खिलाड़ी ने 2033 तक स्टैमफोर्ड ब्रिज में रहने के लिए सात साल की डील साइन की है। चेल्सी ने मिडफील्डर को कथित तौर पर 117 मिलियन पाउंड की डील पर साइन किया है, जिससे वह अब तक के सबसे महंगे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस गर्मी की शुरुआत में इलियट एंडरसन के 116 मिलियन पाउंड में मैनचेस्टर सिटी में शामिल होने का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लब द्वारा जारी एक बयान में रोजर्स ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरे लिए चेल्सी लंदन का सबसे बड़ा क्लब है और एक ऐसा क्लब है जिसकी मैं बचपन से तारीफ करता रहा हूं। मैं नए मैनेजर के साथ प्रोजेक्ट, हमारे पास मौजूद खिलाड़ियों और क्लब की दिशा को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इसी वजह से मैं यहां हूं और क्लब की तरफ से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।आर्सेनल ने इस ट्रांसफर विंडो में मॉर्गन रोजर्स को अपनी पहली पसंद के फॉरवर्ड के रूप में देखा था। हालांकि, क्लब ने उतनी ट्रांसफर फीस देने से इनकार कर दिया, जितनी प्रीमियर लीग 2025–26 चौंपियन चेल्सी देने के लिए तैयार थी। इसलिए आर्सेनल इस डील को पूरा नहीं कर सका।चेल्सी से जुड़ने से पहले मॉर्गन रोजर्स ने खुद को प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिभाशाली युवा अटैकिंग खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। एस्टन विला के लिए खेलते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और 85 प्रीमियर लीग मैचों में गोल और असिस्ट मिलाकर 40 गोल में योगदान दिया। उनके दमदार खेल की बदौलत टीम पिछले सीजन में प्रीमियर लीग के शीर्ष चार में जगह बनाने में सफल रही और बाद में यूईएफए यूरोपा लीग का खिताब भी जीता।एस्टन विला ने मॉर्गन रोजर्स को विदाई देते हुए कहा कि वह एक शानदार पेशेवर खिलाड़ी रहे हैं। क्लब ने अपने बयान में कहा कि रोजर्स ने हमेशा पूरी मेहनत और समर्पण के साथ क्लब के लिए खेला। रोजर्स के योगदान के लिए क्लब उनका आभार व्यक्त करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। क्लब ने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में मिली कई बड़ी सफलताओं और यादगार पलों में रोजर्स की अहम भूमिका रही है।

रोजर्स ने नवंबर 2024 में इंग्लैंड की सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया था। इसके बाद वह नेशनल टीम के नियमित सदस्य बन गए। अब तक वह इंग्लैंड के लिए 22 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उन्होंने इस साल फीफा विश्व कप में भी इंग्लैंड का प्रतिनिधि

ात्व किया, जहां थॉमस ट्यूशेल की टीम तीसरे स्थान पर रही। 1966 में विश्व कप जीतने के बाद यह इंग्लैंड का विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

एक्स यूजर्स की हो गई मौज, कंपनी ने लान्च किया बिल्कुल नया एंड्रायड ऐप, अब सुपरफास्ट स्पीड में दौड़ेगा अकाउंट

नई दिल्ली । अगर आप भी अपने एंड्रॉयड स्मार्टफोन पर ड्ग (पहले ट्विटर) का इस्तेमाल करते हुए स्लो स्पीड, लिंक न खुलने और बार–बार हैंग होने जैसी समस्याओं से परेशान थे, तो आपके लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है। सालों की शिकायतों के बाद आखिरकार कंपनी ने अपने एंड्रॉयड यूजर्स के लिए ड्ग ऐप का बिल्कुल नया और दमदार वर्जन रिलीज कर दिया है। इसे सिर्फ एक सामान्य अपडेट की तरह पेश नहीं किया गया है, बल्कि जड़ से दोबारा बनाया गया है ताकि आपको सुपरफास्ट स्पीड, शानदार नोटिफिकेशन अलर्ट और मक्खन जैसी स्मूथ स्क्रॉलिंग का बेहतरीन अनुभव मिल सके। यह नया ऐप गूगल प्ले स्टोर (त्रशशद्दद्यद्ग क्कद्यड्ड4 स्ह्लशह्म्द्ग) पर दुनिया भर के यूजर्स के लिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो चुका है।जड़ से खत्म की गई पुरानी समस्याएं

कंपनी के मुताबिक, इस नए एंड्रॉयड ऐप को धीरे–धीरे अपडेट करने के बजाय एकदम बेसिक स्तर (शुरू से) से डेवलप किया गया है। ड्ग का कहना है कि इसके नए आर्किटेक्चर को तैयार करने का मुख्य मकसद लंबे समय से चली आ रही परफॉर्मेंस की समस्याओं को हमेशा के लिए खत्म करना है। पिछले साल एंड्रॉयड यूजर्स को ऐप चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था, जिनमें स्लो लोडिंग और शेयर्ड लिंक से पोस्ट लोड न होने जैसी कमियां शामिल थीं। अब नए डिजाइन के साथ भविष्य में नए फीचर्स को जोड़ना भी काफी आसान हो जाएगा।

आईफोन (द्बह्रस्) को सीधे टक्कर देने की तैयारी

एंड्रॉयड ऐप को पूरी तरह से बदलने की यह शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब ड्ग प्रबंधन ने खुद यह स्वीकार किया था कि उनका एंड्रॉयड वर्जन आईफोन (द्बह्रस्) वर्जन की तुलना में काफी पीछे रह गया है। इस भारी अंतर को मिटाने के लिए कंपनी ने एक खास श्डेडिकेटेड एंड्रॉयड इंजीनियरिंग टीमश् का गठन किया था। ड्ग के प्रोडक्ट हेड निकिता बियर ने इसे कंपनी के सबसे बड़े इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में से एक बताया है। उन्होंने दावा किया है कि इस नए ऐप में यूजर्स को बेहद स्मूथ नेविगेशन, झटके से पेज लोड होने की स्पीड और पहले से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा।

भविष्य में आने वाले हैं कई और धांसू फीचर्स

भले ही ड्ग का यह नया और तेज ऐप लॉन्च हो गया है, लेकिन कंपनी का कहना है कि इसे और ज्यादा परफेक्ट बनाने का काम अभी भी जारी है। कंपनी की योजना पुराने और कम रैम वाले एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स पर भी इसकी परफॉर्मेंस को सुधारने और इसके लोकप्रिय लाइव ऑडियो फीचर श्स्पेसेसश् (स्श्चड्डष्द्गह्य) के लिए बेहतरीन सपोर्ट जोड़ने की है। इसके अलावा, आने वाले दिनों में एंड्रॉयड यूजर्स को नया वीडियो एडिटर, वीडियो रिएक्शन, कैशटैग (ष्टड्डह्यद्धह्लड्डद्दह्य) और कस्टम टाइमलाइन जैसे कई शानदार फीचर्स भी मिलने वाले हैं, जो ड्ग के बड़े प्रोडक्ट रोडमैप का अहम हिस्सा हैं।

अब बिना इंटरनेट के भी धड़ाधड़ होगा यूपीआई पेमेंट, आ रहा है ये धांसू फीचर, जानकर खुशी से झूम उठेंगे आप

नई दिल्ली । आम लोगों के लिए यूपीआई से जुड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब वह दिन दूर नहीं जब आप बिना इंटरनेट के भी अपना यूपीआई पेमेंट आसानी से कर सकेंगे। सामने आई एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल्द ही एक ऐसी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (क्कढ्ढ) सुविधा शुरू होने जा रही है, जिसकी मदद से ग्राहक मर्चेंट के पॉइंट–ऑफ–सेल (क्कश्र) टर्मिनल पर तब भी पेमेंट कर पाएंगे, जब फोन या मशीन किसी भी डिवाइस में इंटरनेट काम न कर रहा हो।

बिना नेटवर्क वाले इलाकों में मिलेगा सबसे बड़ा फायदा

यह खास फीचर मुख्य रूप से उन जगहों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी या तो उपलब्ध नहीं होती या फिर बिल्कुल भरोसेमंद नहीं होती है। इसमें हवाई जहाज के केबिन से लेकर अंडरग्राउंड ट्रेन नेटवर्क और दूरदराज के इलाके शामिल हैं। इस नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को इंटरनेट कनेक्टिविटी होने पर पहले अपने डिवाइस के यूपीआई लाइट वॉलेट में पैसे लोड करने होंगे। इसके बाद जब वे ऑफलाइन होंगे, तो बिना किसी यूपीआई पिन के टर्मिनल पर टैप करके आसानी से उस बैलेंस का इस्तेमाल पेमेंट के लिए कर सकेंगे।एनएफसी तकनीक से ऐसे पूरा होगा आपका ऑफलाइन ट्रांजेक्शन

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (ह्वक्कष्टढ्ढ) साल 2026 में प्रमुख टर्मिनल बनाने वाली कंपनियों के पीओएस डिवाइस को इस नई सुविधा के लिए सर्टिफाई करना शुरू कर सकता है। इस पूरी प्रस्तावित व्यवस्था में नियर–फील्ड कम्युनिकेशन (ह्वस्नष्ट) तकनीक का बेहतरीन इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत ग्राहकों को अपने एनएफसी इनेबल्ड फोन को सिर्फ ऑफलाइन टर्मिनल पर टैप करना होगा और वे बिना रुके 2,000 रुपये तक का पेमेंट चुटकियों में कर सकेंगे। जब डिवाइस ऑफलाइन होगा तब पीओएस मशीन पेमेंट ऑथराइजेशन को अपने पास स्टोर कर लेगी और जैसे ही कनेक्टिविटी वापस आएगी, उसे नेटवर्क पर आगे प्रोसेस कर देगी।यूपीआई लाइट एक्स से कैसे अलग है यह नई व्यवस्था

आपको बता दें कि एनपीसीआई द्वारा एनएफसी का यह कोई पहला इस्तेमाल नहीं है। इससे पहले सितंबर 2023 में यूपीआई लाइट एक्स को भी पेश किया गया था, जिसे मोबाइल कनेक्टिविटी न होने पर ऑफलाइन पेमेंट के लिए डिजाइन किया गया था। यूपीआई लाइट एक्स में एनएफसी–इनेबल्ड फोन के बीच ऑफलाइन पर्सन–टू–पर्सन पेमेंट और क्यूआर कोड या साउंडबॉक्स पर टैप करके पैसे चुकाने की सुविधा दी गई थी। हालांकि, यह नया फीचर इससे एक कदम आगे है। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा अंतर एक्सेप्टेंस हार्डवेयर का है। अब इस फीचर का विस्तार सर्टिफाइड पारंपरिक पीओएस टर्मिनलों तक किया जा रहा है, जिससे व्यापारियों को मशीन डिस्कनेक्ट होने की स्थिति में भी आसानी से पेमेंट मिल सकेगा।

विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता घटाने की तैयारी, भारत तेज करेगा डीप वाटर पोर्ट परियोजनाएं

नई दिल्ली । भारत प्रमुख बंदरगाहों के अपग्रेड और नए गहरे समुद्री टर्मिनलों के निर्माण में तेजी ला रहा है, ताकि वर्तमान में कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाले ट्रांसशिपमेंट यातायात को अपने यहां आकर्षित किया जा सके। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई।इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और कच्छ के दीनदयाल बंदरगाह सहित कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट (जल की गहराई) को 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर कर रही है, ताकि वे बड़े मदर वेसल (मुख्य मालवाहक जहाज) को संभाल सकें।

दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज (मदर वेसल) एमएससी इरिना के केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचने को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सरकारों ने भारत के प्रमुख बंदरगाहों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित करने की अनदेखी की। ऐसे हब इसलिए जरूरी हैं क्योंकि यहां 14,000 से 24,000 टीईयू (ट्वेंटी–फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता वाले मदर वेसल ठहर सकते हैं।रिपोर्ट में कहा गया, दशकों तक भारत के समुद्री व्यापार में एक विडंबना रही। 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी समुद्री तटरेखा और दक्षिणी छोर से गुजरने वाले दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों के बावजूद भारत के पास ऐसे बंदरगाह नहीं थे, जहां मदर वेसल आ सकें।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा इस कमी को दूर करने का संकल्प जताने के एक वर्ष के भीतर ही 7 जुलाई को दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना के विझिंजम बंदरगाह पहुंची।वर्षों की इस अनदेखी को अब समस्या के आकार के अनुरूप बड़े पैमाने और तात्कालिकता के साथ दूर किया जा रहा है।सरकार की मौजूदा योजना के तहत कई प्रमुख बंदरगाहों की ड्राफ्ट गहराई बढ़ाई जा रही है, ताकि वे लगभग 2 लाख टन डेडवेट कार्गो ले जाने वाले केप–साइज ड्राई बल्क जहाजों को संभाल सकें।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि महाराष्ट्र में विकसित किया जा रहा वधावन बंदरगाह लगभग 20 मीटर की प्राकृतिक गहराई और उच्च क्षमता के लक्ष्य के साथ तैयार किया जा रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में फिर बढ़ोतरी, 24 कैरेट गोल्ड 1.43 लाख के पार, खरीदने से पहले जान लें लेटेस्ट रेट

मुंबई । सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशरू 1.43 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.23 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गया है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 883 रुपए या 0.61 प्रतिशत बढ़कर 1,43,137 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,42,254 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,305 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,31,113 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वहीं, 18 कैरेट सोने का दाम 1,06,691 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,07,353 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी तेजी देखी गई है।

चांदी का दाम 3,629 रुपए या 1.65 प्रतिशत बढ़कर 2,23,204 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,19,575 रुपए प्रति किलो था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी में तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,42,550 रुपए प्रति 10 ग्राम पर और चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,23,057 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,064 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 59 डॉलर प्रति औंस पर था।जानकारों ने कहा कि इस तेजी के वजह अमेरिका–ईरान में तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग फिर से बढ़ना है। आने वाले समय में सोना 1,41,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के बीच रह सकता है।

संजू बाबा की दुल्हन बनने से पहले मान्यता दत्त फिल्मों में आजमा चुकी थीं किस्मत, गंगाजल से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि मान्यता खुद भी फिल्मों में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष किया था। हालांकि, उन्हें वह बड़ी सफलता नहीं मिल पाई, जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी। मान्यता दत्त का जन्म 1978 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम दिलनवाज शेख है। उनका बचपन कुछ समय दुबई में बीता। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और फिल्मी दुनिया की तरफ था। यही सपना उन्हें मुंबई लेकर आया, जहां उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने की कोशिश शुरू की। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद मान्यता ने अपना नाम बदलकर सारा खान रख लिया था। शुरुआती दौर में उन्होंने कुछ फिल्मों में छोटे–मोटे रोल किए। उस समय वह बड़ी फिल्मों में जगह बनाने के लिए लगातार कोशिश कर रही थीं। उन्हें फिल्मों में काम तो मिला, लेकिन वह पहचान नहीं मिल पाई जो एक अभिनेत्री के तौर पर वह चाहती थीं।मान्यता को सबसे ज्यादा पहचान साल 2003 में आई प्रकाश झा की फिल्म गंगाजल से मिली। इस फिल्म में उन्होंने अलहड़ मस्त जवानी गाने पर परफॉर्म किया था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के दौरान उन्हें स्क्रीन नाम मान्यता मिला। हालांकि, इसके बाद भी उनका फिल्मी सफर ज्यादा आगे नहीं बढ़ सका और उन्हें बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने के मौके कम मिले।

इसके बाद मान्यता ने छोटे बजट की फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने लवर्स लाइक अस नाम की फिल्म में भी अभिनय किया था। यही फिल्म उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आई, क्योंकि इसी फिल्म के राइट्स खरीदने के सिलसिले में उनकी मुलाकात अभिनेता संजय दत्त से हुई। धीरे–धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों एक–दूसरे के करीब आ गए।संजय त्त और मान्यता दत्त ने 7 फरवरी 2008 को शादी कर ली। शादी के बाद मान्यता ने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली और परिवार पर ध्यान देना शुरू किया। साल 2010 में दोनों जुड़वां बच्चों के माता–पिता बने। उनके बेटे का नाम शाहरान और बेटी का नाम इकरा है।हालांकि मान्यता का बतौर अभिनेत्री करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी में एक नई भूमिका निभाई। वह संजय दत्त प्रोडक्शंस की सीईओ हैं और बिजनेस से जुड़े फैसले लेती हैं।

लाड्र्स के मैदान पर कृति सेनन ने धोनी की बेटी से किया प्यार

y,ई्स के मैदान पर कृति सेनन अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ स्टेडियम पहुंची थीं। हालांकि कैमरों का पूरा ध्यान धोनी की बेटी जीवा के साथ उनकी बातचीत पर टिक गया, लेकिन कबीर के साथ उनकी मौजूदगी ने एक बार फिर उनके रिलेशनशिप की खबरों को हवा दे दी है। इससे पहले भी कृति और कबीर बहिया को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेले गए भारत बनाम इंग्लैंड वनडे मैच के दौरान एक साथ देखा गया था। उस मैच से भी दोनों की स्टैंड्स में बैठी तस्वीरें काफी वायरल हुई थीं। पिछले कुछ समय से कृति सेनन की निजी जिंदगी और उनकी शादी को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में कबीर बहिया के साथ लगातार दो मैचों में उनकी बैक–टू–बैक मौजूदगी ने इन कयासों और फैंस की उत्सुकता को काफी बढ़ा दिया है। इस हाई–प्रोफाइल मुकाबले को देखने के लिए लॉर्ड्स के मैदान पर मनोरंजन जगत की कई अन्य जानी–मानी हस्तियां भी मौजूद थीं। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और सैफ अली खान भी इस मैच का आनंद लेने पहुंचे थे। सैफ अली खान के साथ उनके बड़े बेटे तैमूर अली खान भी स्टैंड्स में दिखाई दिए। खास बात यह रही कि एमएस धोनी और साक्षी धोनी उसी केबिन या सेक्शन में बैठे थे जहां सैफ और तैमूर मौजूद थे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन और पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बेटी जीवा धोनी के बीच एक बेहद खूबसूरत पल देखने को मिला। इस मैच के दौरान स्टैंड्स से कृति और जीवा की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए। इन क्लिपों में 35 वर्षीय अभिनेत्री और 11 साल की जीवा मैच का लुत्फ उठाते हुए आपस में हंसकर बातें करतीं और एक–दूसरे के साथ खुशनुमा वक्त बिताती नजर आ रही थीं। ¼fgQh½

अर्चना को फिल्म के लिए 10 साल करना पड़ा इंतजार

अर्चना पूरन सिंह टीवी और फिल्मों की दुनिया में पॉपुलर नाम हैं। अब उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें अच्छा काम नहीं मिल रहा है। द कपिल शर्मा शो से लगातार जुड़े रहने की वजह से अर्चना काफी समय तक तक फिल्मों और फिक्शन शोज से दूर रहीं। हालांकि, कपिल के इस कॉमेडी शो के बीच उन्होंने कुछ फिल्मों में काम तो किया, लेकिन अर्चना का मानना है कि वे किरदार उतने दमदार नहीं थे। टीवी के बिजी शेड्यूल के चलते उन्हें कई बेहतरीन रोल ठुकराने पड़े, लेकिन ज्यादातर समय उन्हें सिर्फ सही मौकों का इंतजार ही करना पड़ा। लोगों को लगता है कि विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और टोस्टर जैसी फिल्मों के साथ–साथ ब्लॉगिंग शुरू करने के बाद उनके दिन बदल गए होंगे, लेकिन अर्चना की कहानी कुछ और ही है। उन्होंने खुलासा किया, मुझे ब्रांड एंडोर्समेंट के ऑफर्स तो जरूर मिल रहे हैं, लेकिन एक्टिंग के रोल अभी भी मेरे पास नहीं आ रहे हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि टोस्टर के बाद मेरे पास फिल्मों की लाइन लग गई हो। अर्चना बताती हैं, कुछ ही दिनों पहले मैंने एक फिल्म रिजेक्ट की, पर सिर्फ इसलिए क्योंकि मुझे अपना किरदार पसंद नहीं आया। सच तो यह है कि अभी भी मेरे पास बहुत बेहतरीन रोल्स नहीं आ रहे हैं। मैं एक बार फिर सभी फिल्ममेकर्स से कहना चाहती हूं कि मैं काम करना चाहती हूं, लेकिन हमारी इंडस्ट्री का ढर्रा थोड़ा अलग है और ठीक है, शायद ऐसा ही होता है। रोहित शेट्टी की फिल्म बोल बच्चन बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही थी, लेकिन अर्चना के एक्टिंग करियर में मंदी की शुरुआत उसी के बाद से हो गई। उन्होंने कहा, बोल बच्चन की रिलीज के बाद मुझे ट्रेड एनालिस्ट्स के फोन आए थे। उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हारे पास ऑफर्स की लाइन लग जाएगी। अर्चना ने बताया ? मैंने उनसे मजाक में कहा था कि जिस दिन पहला ऑफर आएगा, उसी दिन मैं तुम्हें कॉल करूंगी। उसके बाद 10 साल बीत गए, लेकिन मेरे पास उनको फोन करने की कोई वजह ही नहीं आई। उन 10 सालों में मुझे एक भी फिल्म का ऑफर नहीं मिला। हमारी इंडस्ट्री वाकई में अजीब है। आखिर काम न मिलने की वजह क्या रही? इस पर अर्चना कहती हैं, इसकी कई वजहें हो सकती हैं। बहुत से फिल्ममेकर्स को लगा कि मैं कॉमेडी शोज में बिजी हूं और उन्हें अपनी तारीखें नहीं दे पाऊंगी।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर अभिनेता रहमान की सरकार से अपील, बोले- छात्र हमारे दुश्मन नहीं, भारत का भविष्य हैं

दिल्ली के जंतर–मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन और उस दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर देशभर में बहस तेज हो गई है। इस मुद्दे पर अब कई जानी–मानी हस्तियां भी खुलकर अपनी राय रख रही हैं। फिल्मी दुनिया से भी लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में तमिल और मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता रहमान ने छात्रों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि छात्र देश के दुश्मन नहीं, बल्कि भारत का भविष्य हैं और उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। रहमान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, जब जंतर–मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ था, तब मुझे पूरा भरोसा था कि सरकार आगे आएगी, छात्रों की बात सुनेगी और उनकी चिंताओं का समाधान निकालेगी। लेकिन जैसे–जैसे दिन बीतते गए, हालात को इस तरह बिगड़ते देखना बेहद तकलीफदेह रहा। छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के वीडियो देखकर मेरा दिल टूट गया। रहमान ने सरकार से सवाल करते हुए कहा, आखिर क्यों? क्या यह वास्तव में जरूरी था? मैं जानता हूं कि मेरी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है या मेरी मंशा पर सवाल उठाए जा सकते हैं, लेकिन इस बार मैं किसी अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि एक चिंतित नागरिक के तौर पर अपनी बात कह रहा हूं।

अपने पोस्ट में रहमान ने सरकार से संवेदनशीलता दिखाने की अपील भी की। उन्होंने लिखा, कृपया टकराव की जगह दया और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दीजिए। देर होने से पहले छात्रों की बात सुनिए। हमारे छात्र हमारे दुश्मन नहीं हैं, वे भारत का भविष्य हैं। वे मेरे बच्चों जैसे हैं, वे हम सभी के बच्चे हैं।रहमान की पोस्ट पर अभिनेत्री रेवती आशा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, सवाल पूछे जाने चाहिए।

इसके अलावा रेवती ने भी इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया।

उन्होंने लिखा, छात्रों की मांग सिर्फ इतनी है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया जाए, ताकि

बच्चों और देश का भविष्य सुरक्षित रह सके। छात्र मारपीट झेलने के बावजूद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। कई युवा अपने भविष्य को लेकर रो रहे हैं, मांएं अपने बच्चों पर हो रही हिंसा देखकर आंसू बहा रही हैं, पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं और छात्राएं अपने ऊपर हो रही हिंसा रोकने की गुहार लगा रही हैं।रेवती ने आगे लिखा, जिन नेताओं को लोगों ने अपने बच्चों और देश के भविष्य की जिम्मेदारी सौंपकर चुना है, वे इस समय खामोश हैं। मेरी

मुकेश ने सहगल के अंदाज में गाया था पहला गीत

मुकेश का जन्म 1923 को दिल्ली के एक माथुर कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता जुरावर चंद माथुर एक इंजीनियर थे और उनकी माता का नाम चांद रानी था। मुकेश अपने माता–पिता के 10 बच्चों में छठे स्थान पर थे। मुकेश का मन पढ़ाई से अधिक संगीत में लगता था। उन्होंने अपनी बहन की संगीत कक्षाओं से छुप–छुपकर संगीत सीखना शुरू किया था।मुकेश बचपन में अभिनेता बनना चाहते थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। शुरुआत में उन्होंने दिल्ली के लोक निर्माण विभाग में क्लर्क की नौकरी की थी।एक पारिवारिक शादी में गायक और अभिनेता मोतीलाल ने उनकी आवाज सुनकर उन्हें मुंबई आने का न्योता दिया। मुंबई आकर उन्होंने 1941 में फिल्म निर्दोष में अभिनेता और गायक के रूप में काम कियागायब हुए के एल सहगल के अंदाज में गाकर 1945 में फिल्म पहली नजर का गीत दिल जलता है तो जलने दे उनके करियर का पहला बड़ा हिट साबित हुआ। 1949 में राज कपूर की फिल्म बरसात और महबूब खान की अंदाज के गानों ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुंचा दिया।अपने शानदार करियर में मुकेश ने चार बार फिल्मफेयर पुरस्कार जीते और उन्हें 1974 में फिल्म रजनीगंधा के गीत कई बार यूं ही देखा है के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला।

मिथुन की बेटी दिशानी की होने जा रही शादी

मिथुन चक्रवर्ती की बेटी दिशानी चक्रवर्ती ने अपने मंगेतर माइल्स मैंटजारिस के साथ सगाई की कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं। प्रीवेडिंग फेस्टिविटीज की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही हैं। लॉस एंजिल्स के खूबसूरत नजारों के बीच ली गई इन तस्वीरों में यह कपल एक साथ अपनी नई जिंदगी शुरू करने की तैयारी में है।

दिशानी ने माइल्स के साथ मिलकर इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में कपल पाम के पेड़ों वाली सड़क पर एक–दूसरे को गले लगाते हुए और मुस्कुराते हुए नजर आ रहा है। तस्वीर इस सगाई को काफी फिल्मी टच दे रही है। सुकून भरे माहौल और नैचुरल पोज की वजह से तस्वीरें काफी नैचुरल, पर्सनल और रियल लग रही हैं।माइल्स से शादी करने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए दिशानी ने लिखा, मैंने यूनिवर्स से तुम्हारे जैसे इंसान के लिए दुआ की थी। मुझे जो मिला, वह मेरी इमैजिनेशन से कहीं ज्यादा खूबसूरत था। मैं तुमसे शादी करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उन्होंने इन खास पलों को कैमरे में कैद करने के लिए फोटोग्राफर कैथरीन मैरी

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।